

**Badische Landesbibliothek Karlsruhe**

**Digitale Sammlung der Badischen Landesbibliothek Karlsruhe**

**Des Lahrer hinkenden Boten neuer historischer Kalender  
für den Bürger und Landmann**

**Karlsruhe, Im Digitalisierungsprozess: 1814-1994**

[Kalender]

**urn:nbn:de:bsz:31-62031**

| I.      | Katholischer und Evangelischer<br>Monat. | Januar oder Jänner.   | Planeten-Satz.<br>Witter. n. d. 100j. Kal. | Mond- |        | Sonnen- |      | Nützliche<br>Regeln |       |
|---------|--|---|--|-------|--------|---------|------|---------------------|-------|
|         |  |   |  | Aufg. | Utrig. | Afg.    | Utg. | u. M.               | u. M. |
| Mittw.  | 1  | Neujahr, JESUS  | Q in feinst. Entf.                         |       |        |         |      | 7. 56               | 4. 12 |
| Donn.   | 2  | Abel, Seth, Mach. N.  | Q * 2                                      |       |        |         |      | 6. 50               | 7. 56 |
| Freitag | 3  | Isaac, Genovefa, Enoch  | Q litg. 8, 18. u.                          |       |        |         |      | 8. 6                | 7. 56 |
| Samst.  | 4  | Elias, Tit. Dafra, Isab.  | Q in 2                                     |       |        |         |      | 9. 19               | 7. 56 |
|         |  |   |  |       |        |         |      |                     |       |
| 1.      | Pr.                                      | Der Prophet gäbt nichts ic. Luk. 4, 14-24. (S. die Anmerk. im Februar.) |  |       |        |         |      |                     |       |
| 1.      | Kath.                                    | Häckeli ins Land Israel. Matth. 2, 19-23. (Gal. 4, 1-7.)                |  |       |        |         |      |                     |       |
| Sonnt.  | 5  | G. 2. Simeon, Tel., E.  | Q Abb. i. gr. Glanz                        |       |        |         |      | 10. 29              | 7. 56 |
| Mont.   | 6  | Gl. 3 Kön. Ersch. Ch.   | Q in 2                                     |       |        |         |      | 11. 37              | 7. 55 |
| Dienst. | 7  | Idorus, Lucianus  | Q 11, 21. u.                               |       |        |         |      | 10. 45              | 7. 55 |
| Mittw.  | 8  | Erhardus, Severinus   | Q 2. 10. 28. u.                            |       |        |         |      | 6. 0. 44            | 7. 55 |
| Donn.   | 9  | Julianus, Martialis   | b. 12.: Q ♂ ♂                              |       |        |         |      | 1. 49               | 7. 54 |
| Freitag | 10                                       | Samson, P. E., Agatha   | C in Erdfernd                              |       |        |         |      | 2. 54               | 7. 54 |
| Samst.  | 11                                       | Gerson, Felicitas, H.   | C ♂ ♂ heiter                               |       |        |         |      | 3. 57               | 7. 53 |
|         |  |   |  |       |        |         |      |                     |       |
| 2.      | Pr.                                      | Christus und die Samariterin. Joh. 4, 5-30.                             |  |       |        |         |      |                     |       |
| 2.      | Kath.                                    | Iesus 12 Jahre alt. Luk. 2, 42-52. (Röm. 12, 1-5.)                      |  |       |        |         |      |                     |       |
| Sonnt.  | 12                                       | G. 3. Asarias, Reinh.   | Q ♂ ♂ h Δ 2                                |       |        |         |      | 1. 14               | 4. 56 |
| Mont.   | 13                                       | F. Tag, Hilarius, L.  | Q 2 retr.                                  |       |        |         |      | 5. 49               | 7. 52 |
| Dienst. | 14                                       | Felix Priester  | C im ♀ sonrig                              |       |        |         |      | 6. 35               | 7. 52 |
| Mittw.  | 15                                       | Maurus, Joh. Colomb.  | Q ♂ Δ 2                                    |       |        |         |      | 7. 13               | 7. 51 |
| Donn.   | 16                                       | Marcellus   | Q 2, 29. v.                                |       |        |         |      | 7. 44               | 7. 50 |
| Freitag | 17                                       | Antonius  | Q Δ ♂, Q in h                              |       |        |         |      | 8. 10               | 7. 49 |
| Samst.  | 18                                       | Prisca, Ignatius  | h Aufg. 9, 20. u.                          |       |        |         |      | 8. 34               | 7. 48 |
|         |  |   |  |       |        |         |      |                     |       |
| 3.      | Pr.                                      | Die Verwandten Jesu. Matth. 12, 46-50.                                  |  |       |        |         |      |                     |       |
| 3.      | Kath.                                    | Hochzeit zu Kana. Joh. 2, 1-11. (Röm. 12, 6-16.)                        |  |       |        |         |      |                     |       |
| Sonnt.  | 19                                       | G. 4. Martha, Sara, C.  | C ♂ ♀ bewölkt                              |       |        |         |      | 8. 54               | 7. 48 |
| Mont.   | 20                                       | Fabian Sebastian  | Q in 2                                     |       |        |         |      | 9. 16               | 7. 47 |
| Dienst. | 21                                       | Agnes   | b. 20.: C ♂ 2. h                           |       |        |         |      | 9. 37               | 7. 46 |
| Mittw.  | 22                                       | Vincentins, Anastasius  | Q Aw.v. A. 19 2/3 0.                       |       |        |         |      | 9. 59               | 7. 45 |
| Donn.   | 23                                       | Emerentia, Raimund  | C 7, 10. v.                                |       |        |         |      | 10. 21              | 7. 44 |
| Freitag | 24                                       | Timothens   | C 8 * ♂, ♀ □                               |       |        |         |      | 11. 2               | 7. 43 |
| Samst.  | 25                                       | Pauli Bekehrung   | Q ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂                              |       |        |         |      | 11. 47              | 7. 41 |
|         |  |   |  |       |        |         |      |                     |       |
| 4.      | Pr.                                      | Zeugnisse für Jesu göttliche Sendung. Joh. 5, 38-47.                    |  |       |        |         |      |                     |       |
| 4.      | Kath.                                    | Hauptmanns Knecht. Matth. 8, 1-13. (Röm. 12, 17-21.)                    |  |       |        |         |      |                     |       |
| Sonnt.  | 26                                       | G. 5. Polycarpus, P.  | Q, C in Erdnähe,                           |       |        |         |      | 4. 38               | 0. 43 |
| Mont.   | 27                                       | Joh. Chrysostomus   | C im ♂ wind                                |       |        |         |      | 5. 35               | 1. 49 |
| Dienst. | 28                                       | Karl, Charlotte   | b. 26.: C ♂ ♂                              |       |        |         |      | 3. 3                | 7. 38 |
| Mittw.  | 29                                       | Valer., Rüger, Franz  | Q litg. 4, 6. v.                           |       |        |         |      | 4. 22               | 7. 37 |
| Donn.   | 30                                       | Adelgunda, Mortina  | 3, 24. v. un-                              |       |        |         |      | 5. 40               | 7. 35 |
| Freitag | 31                                       | Virgilius, Petrus, N.   | Q ♂ ♂ flet                                 |       |        |         |      | 6. 57               | 7. 34 |
|         |  |   |  |       |        |         |      | 7. 50               | 4. 54 |

Ein Hausschreiber sollte in Berlin die Wintervutter in den Keller schaffen, hatte aber das Unglück auszugleiten und die Treppe hinabzufallen. Die Köchin, welche dies sah, rief entzürter aus: „Heil Gott, was ist des für eine infame Butterkellertreppenherunterfallerei.“

12. 8    32  
19. 8    47  
26. 9    6



# Januar hat 31 Tage.

## Gereimter Witterungskalender.

Bei Donner im Winter ist viel Kälte dahinter. — Morgens Morgenwind, Mittags Mittagswind, auf Tage schön Wetter wir selber sind. — Gut Wetter findet Abendrotz, doch Morgenrotz bringt Wind und Roth. — Der Abend roth und weiß das Morgenrotz, dann trifft den Wand'rer böses Wetter nicht. — Auf gut Wetter vertrau', beginnt der Tag nebelgrau. — Die dunke Nacht heit'ren Tag macht. — Frühwogen entweicht, ob' die Uhr auf zwölf zeigt. — Regen in der Frühe geht als gut Zeichen aller Welt. — Wenn steiner Regen will, macht großer Wind er still.



Erstes Viertel d. 7. bewirkt heitern Himmel.

Vollmond den 16. Wind und Schneegestöber.

Letzes Viertel den 23. erregt Sturm.

Neumond den 30. meist ungefährliches Wetter.

## Jahrmärkte im Januar.

(Zum Bericht dienet, daß — nebst dem am Schlusse dieses Kalenders befindlichen alphäischen Verzeichniß — die Märkte noch besonders bei jedem Monat, jeder auf den richtigen Tag, angezeigt sind, an welchem sie gehalten werden. — Sollte etwas Unrichtiges eingetragen sein, so bitte der Verleger um gütige Anzeige mittels unfrankirten Briefes, er wird jeden Schreiber sehr gerne vertheidigen, so wie ausgelassene Orte auf Verlangen einschalten.)

An den mit einem + bezeichneten Orten wird mit dem Krämer zugleich auch Viehmärkt gehalten.

- |                                       |                              |
|---------------------------------------|------------------------------|
| 27. Dezbr. 1861—14. 14. Solothurn.    | 25. Kirchberg.               |
| Jan. 1862. 26p. 20. Ditz.             | 27. Behringen.               |
| 12. (Messe.) Marlboro, a. Bds.        | 28. Olhausen.                |
| 2. Waldbut. + Reutst., im             | 28. Auel. +                  |
| 7. Haubach, i. Rgthl.                 | Schwarzwald. + Rosenberg, im |
| 13. Burlheim, a. R. 21. Mingsheim, b. | Bauland. +                   |
| Habsheim.                             | Bruchsel. 29. Münsterlben.   |
| Stühlingen. + Oppenheim.              | 30. Birkenfeld.              |
| Kann, i. Elsaß. 23. Altkirch.         | Ebersbach.                   |

## Besondere Viehmärkte.

- |                                     |                                  |                        |
|-------------------------------------|----------------------------------|------------------------|
| 1. Grünstadt.                       | 7. Memmingen.                    | 14. Mühlheim.          |
| Schopfheim.                         | Forchheim.                       | 15. Brunsal.           |
| 2. Gräfenthal.                      | Schaffhausen.                    | Grünstadt.             |
| Gernsbach.                          | Stodach.                         | Pirmasens.             |
| Griesen, i. Rigg.                   | 8. Villigheim, i. Pfz.           | Ottensbach.            |
| Kehl, Stadt,                        | 9. Dürmeng.                      | 16. Lörrach.           |
| (Schweinem.)                        | Effingen.                        | Zweibrücken.           |
| Schweinbach.                        | Freiburg i. Brsg. 20. Ettlingen. |                        |
| 3. Höllingen.                       | Rastatt.                         | Mühlheim.              |
| 6. Mödlich.                         | Schönau, i. Wie. 21. Hassloch.   |                        |
| Bordewiedenthal.                    | senthal.                         | 22. Villigheim i. Pfz. |
| 7. Hassloch, i. Rgthl. 12. Bretten. | 27. Durlach.                     |                        |
| Kandel.                             | Kandern.                         |                        |
| Mannheim.                           | Weil, die Stadt.                 |                        |

Ein steinaltes Mütterchen trat gerade vor König Friedrich den Großen, als er einmal bei der Pferdewechselung abstieg. Mütterchen, was wollt Ihr? fragte der König sehr gnädig. Nur Ihr Angesicht schen, und weiter nichts. Der König griff nach einem Friedrichsbor, und gab sie ihr mit den Worten: „Liebe Mutter! seht, auf diesen Dingen seid ich weit besser, und da könnt Ihr mich ansehen, so lange Ihr wollt, und so lange Ihr könnt, ich habe jetzt nicht Zeit, mich länger ansehen zu lassen.“

## Feld- und Gartenbau.

Wenn das neue Jahr angefangen hat, sieht Feiermann auf das alte zurück. Der Bauer rechnet deshalb nach, ordnet Hans und Hof, teilt Futter und Streu gut ein, da mit es bis zum Grünfutter reicht. — Sieh in den Nischen nach den Wurzelgewächsen, sehe das Dreiehen fort, sich die Frucht auf dem Speicher um. — Bei trockenem Wetter las Erde führen zum Überstreuen des Mistes. Legt Composthaufen an, aus Straßentorh, Kaff, Dorferde, Kaff und Asche etc. Sorge für Strohseile, las die Geräthe herrichten. — Auf den Wiesen mache neue Gräben, besonders Abzüge; hilfe Compost und Gölle auf, nimm Ausbeutungen vor. — Feld und Garten. Sorge für Samen, führe fleißig Gölle und Dünger, grabe um die Bäume auf und düng sie. Schütze sie vor Hasenfraß. Prüfe das Steinobst. — Weinberg und Keller. Sorge für Nebsäfte, kelter den rothen Wein, der bisher auf den Hülsen gegohren hat. Läßt Dünger tragen.

Das beste Mittel, einen Hund vom Tollwerden zu bewahren, soll laut einer amerikanischen Zeitung darin bestehen, ihm den Schwanz knapp hinter den Ohren abzuschneiden.

Ein Forstbeamter hatte die Haut eines von ihm erlegten Hirschens von einem Gerber ausarbeiten lassen und erhielt sie mit der wörtlich als lautenden Bezeichnung präsentiert: Dem Hrn. Förster J. das Fell gegeurd, beträgt 1 Gulden 30 Kreuzer.

Ein vornehmer Irländer, dem man die überaus hohen Summen im Schlosse zu Kensington zeigte, wetteute, daß es einen Mann gäbe, der nicht gerade darin stehen könnte. Man sah ihn erstaunt an und ging die Wette ein, und der Irländer führte einen buckligen Hinten.

Kurze Heirath geschichte. Der holländische Admiral Bombell war Anfangs Hofnacht bei dem Gutsbesitzer von Bombell, im Schleswig'schen, entfloß wegen allerlei Händel und machte rasch sein Glück auf der holländischen Marine. Da schrieb er einem armen Dienstmädchen zu Emelech:

Meine liebe Grethe!

Wenn Du noch gefümt bist, wie damals, als ich mit Dir zugleich zu Bombell diente, so komme zu mir nach dem Haag und werde meine Frau. Ich bin gegenwärtig holländischer Admiral.

Nil de Bombell, zuvor Nil Ijsen,

Dein getreuer Bräutigam.

Die Magd packte rasch ein, reifete, kam im Haag an und ward Frau Admiralin.

| II.<br>Monat.   | Katholischer und Evangelischer<br>Februar oder Hornung. | Wittler. n. d. 100j. Kal. | Planeten-Lauf.       |        | Mond-Aufg. u. Unterg. | Sonne-Aufg. u. Unterg. | Amerkungen.   |       |
|---|---|---------------------------|----------------------|--------|-----------------------|------------------------|---|-------|
|   |   |                           | U. M.                | U. M.  |                       |                        |   |       |
| Samst.  | 1 Brigitta, Ignatius                                    |                           | 6 △ ☽, ☽ ♀           |        |                       |                        | Scheint an der Fasching die Sonne, so gerathen gemeinlich Korn und Walzen wohl, so wie auch die Gräser. |       |
| 5. Pr. Inneres Zeugniß der Göttlichkeit des Evangeliums. Joh. 7, 14-18.<br>5. Kath. Jesu Darstellung im Tempel. Luk. 2, 22-32. (Malachias 3, 1-4.)  |   |                           |                      |        |                       |                        | Wärdeis bricht Eis, sind't er klein, so macht er eins.  |       |
| Sonnt.  | 2 C. 6. M. Sichtm. M. N.                                |                           | ☽ ☽ ♀ u. ♀           |        | 8. 29                 | 9. 17                  | 7. 31   | 4. 57 |
| Mont.   | 3 Blasius   |                           | ☽ ☽ ☽                | schnee | 8. 49                 | 10. 26                 | 7. 30   | 4. 59 |
| Dienst.   | 4 Cleophea, Andr. Enoch                                 |                           | ☽ ☽ Utr. 6, 26. n.   |        | 9. 10                 | 11. 33                 | 7. 29   | 5. 1  |
| Mittw.  | 5 Agatha  |                           | ☽ ☽ retr. für-       |        | 9. 33                 | W. M.                  | 7. 27   | 5. 2  |
| Donn.   | 6 Dorothea  |                           | ☽ ☽ 8, 45. n. misch  |        | 9. 59                 | 0. 38                  | 7. 26   | 5. 4  |
| Freitag   | 7 Richard, Romuald                                      |                           | ☽ ☽ Ci. Ef., ♂ □ ♀   |        | 10. 30                | 1. 42                  | 7. 24   | 5. 6  |
| Samst.  | 8 Salomon, Joh. v. M.                                   |                           | ☽ ☽ ☽ un-            |        | 11. 8                 | 2. 43                  | 7. 22   | 5. 7  |
| 6. Pr. Ich bin das Licht der Welt ic. Joh. 8, 12-20<br>6. Kath. Saamen und Unfrucht. Matth. 13, 24-30. (Kol. 3, 12-17.)   |   |                           |                      |        |                       |                        | •   |       |
| Sonnt.  | 9 C. 7. Apollonia                                       |                           | ☽ ☽ ☽ ♀ freund-      |        | 11. 55                | 3. 39                  | 7. 21   | 5. 9  |
| Mont.   | 10 Scholastica, Desiderius                              |                           | ☽ ☽ im ☽ lich        |        | W. M.                 | 4. 28                  | 7. 19   | 5. 10 |
| Dienst.   | 11 Euphrosina   |                           | ☽ ☽ abd. in größt.   |        | 1. 54                 | 5. 10                  | 7. 18   | 5. 12 |
| Mittw.  | 12 Susanna, Luban, Eul.                                 |                           | ☽ ☽ ♀ (Ausw.         |        | 3. 3                  | 5. 44                  | 7. 16   | 5. 14 |
| Donn.   | 13 Jonas, Benigna, Ag.                                  |                           | ☽ ☽ 4, 8 □ ☽         |        | 4. 15                 | 6. 12                  | 7. 14   | 5. 15 |
| Freitag   | 14 Valentin   |                           | ☽ ☽ 5, 40. n. heiter |        | 5. 29                 | 6. 37                  | 7. 13   | 5. 17 |
| Samst.  | 15 Janquinus  |                           | ☽ ☽ ☽ u. ♀           |        | 6. 44                 | 7. 0                   | 7. 11   | 5. 19 |
| 7. Pr. Der Blindgeborne. Joh. 9, 1-38.<br>7. Kath. Arbeiter im Weinberg. Matth. 20, 1-16. (1. Kor. 9, 24-27. u. 10, 1-5.)   |   |                           |                      |        |                       |                        |   |       |
| Sonnt.  | 16 C. Sept. Julianus, D.                                |                           | ♀ □ ☽, ☽ ♀           |        | 8. 2                  | 7. 21                  | 7. 9  | 5. 20 |
| Mont.   | 17 Ponatus, Const.                                      |                           | ☽ ☽ ☽ dir.           |        | 9. 21                 | 7. 43                  | 7. 7  | 5. 22 |
| Dienst.   | 18 Gabinus, Simeon                                      |                           | ☽ ☽ ☽ retr.          |        | 10. 40                | 8. 6                   | 7. 5  | 5. 23 |
| Mittw.  | 19 Hubertus, Mansuetus                                  |                           | ☽ ☽ Ci. Edn. ☽ i     |        | 11. 59                | 8. 32                  | 7. 4  | 5. 25 |
| Donn.   | 20 Encharius, Gleuth.                                   |                           | ☽ ☽ Ax. A. 10° 5' 1. |        | W. M.                 | 9. 5                   | 7. 2  | 5. 27 |
| Freitag   | 21 Felix B., Eleonore                                   |                           | ☽ ☽ 2, 51. n.        |        | 1. 17                 | 9. 46                  | 7. 0  | 5. 29 |
| Samst.  | 22 Petri Stahlfeier                                     |                           | ☽ ☽ ☽ , 8 □ ☽        |        | 2. 27                 | 10. 37                 | 6. 58   | 5. 30 |
| 8. Pr. Lazarus Auferweckung. Joh. 11, 1-45.<br>8. Kath. Gleichniß vom Säemann. Luk. 8, 4-15. (2. Kor. 11, 19-33. u. 12, 1-9.)   |   |                           |                      |        |                       |                        |   |       |
| Sonnt.  | 23 C. Ser. Josua, Florid.                               |                           | ☽ ☽ ☽ ☽              |        | 3. 27                 | 11. 39                 | 6. 56   | 5. 32 |
| Mont.   | 24 Mathias, Nizephorus                                  |                           | ☽ ☽ Utr. 6, 12. n.   |        | 4. 17                 | W. M.                  | 6. 54   | 5. 33 |
| Dienst.   | 25 Victorinus   |                           | ☽ ☽ Aufg. 3, 55. v.  |        | 4. 56                 | 2. 4                   | 6. 52   | 5. 35 |
| Mittw.  | 26 Nestor, Alerius Wall                                 |                           | ☽ ☽ u. ♀ ☽ ver-      |        | 5. 27                 | 3. 20                  | 6. 50   | 5. 36 |
| Donn.   | 27 Sara, Leander  |                           | ☽ ☽ den Vierigenst.  |        | 5. 52                 | 4. 34                  | 6. 49   | 5. 38 |
| Freitag   | 28 Leander, Serap., Rom.                                |                           | ☽ ☽ 5, 24. n. hell   |        | 6. 15                 | 5. 48                  | 6. 47   | 5. 40 |
| <p>Nach den Bestimmungen der General-Synode vom Jahr 1834 steht es den evangel. prot. Geistlichen frei, bis zum ersten Advent d. J. über die angegebenen Evangelien oder über selbstgewählte Texte zu predigen. Die Texte für die Nachmittagspredigten sind immerwährend freigegeben.</p> |   |                           |                      |        |                       |                        |   |       |
| <p>Einst kam ein junges Mädchen zu ihrem Beichtvater. „Ehrwürdiger Vater“, sagte sie, „ich habe einen großen Fehler, ich bin hochmüthig“. — „Gest du Geld, mein Kind?“ — „Nein!“ — „Dann, dann gehe nur getrost nach Hause, der Hochmuth wird dir schon vergehen!“</p>                    |   |                           |                      |        |                       |                        |   |       |
| <p>Tageslänge<br/>d. 2. 9 Et. 26 M.<br/>= 9. 9 = 48 =<br/>= 16. 19 = 11 =<br/>= 23. 10 = 36 =</p>   |   |                           |                      |        |                       |                        |   |       |



# Februar hat 28 Tage.

Regenbogen am Morgen, des Hirten Sorgen; Regenbogen am Abend, dem Hirten laubend. — Wind vom Sinden der Sonn' ist mir Regen verblüdet, Wind vom Steigen der Sonn' uns schön Wetter verflüdet. — Der Nebel, wenn er steigend sich erhält, bringt Regen, doch klar Wetter, wenn er fällt. — Dieke Abendnebel begießen öfters für die Nacht den Regen. — Wenn iuſz vor Vollmond der Sonn' Aufgang neblig war, wird's Wetter in den nächsten Tagen warm und klar. — Winternebel bringt Thauen bei Stießwinde, bei Westwind treibt er weg das Gelinde. — Des Sturmbecks Gewalt macht's Wetter rauh und kalt.



Erstes Viertel den 6.  
nasse Witterung.

Vollmond den 14. heitert auf.

Letztes Viertel den 21.  
sonnig und mild.

Neumond den 28. meist  
heiter.

## Jahrmärkte.

|                                      |                         |                       |
|--------------------------------------|-------------------------|-----------------------|
| 2. Aalen. [Bltn.]                    | 5. Waldshut.            | 24. Krautheim, a. Ba. |
| Deittingen, bei 10. Thann.           |                         | Babenburg (al.)       |
| Kochendorf.                          | 12. Feldrennach. +      | Gespinnsfel. ()       |
| Mürtlingen.                          | 18. Heilbronn, Vieh,    |                       |
| 1. Steinheim, an d.                  | Pferd., Gesp.,          | Göttingen.            |
| Hurr.                                | Reinw., Kräm.-          | Schiltach.            |
| 3. Haigerloch.                       | u. Ledermarkt.          | Ulm, b. Überkirch.    |
| Krosgingen.                          | 19. Börrach.            |                       |
| Kleichen.                            | 20. Bößingen.           | Göttingen.            |
| Kitingen, bei                        | 22. Oettingen, auch 26. | Göttingen.            |
| Waldshut. +                          | Pferd- u. Vieh.         | Bretten.              |
| Urburg.                              | Wimpfen, am B.          | Gigeltingen.          |
| 4. Dördingen, bei 24. Bräunlingen. + | Bühl.                   | Rottweil.             |
| Raulkronn. +                         | Bönnigheim.             | Waldkirch.            |
| Freudenstadt. +                      | Bottnar.                | Bech.                 |
| Klein-Bartach.                       | Elzach.                 | Weingarten, bei       |
| Kaiserslautern.                      | Hohenstaufen.           | Durlach.              |
| Kiegel. +                            | Kuppenheim.             |                       |
| 5. Ettenheim. +                      |                         |                       |

## Besondere Viehmärkte.

|                              |                         |                           |
|------------------------------|-------------------------|---------------------------|
| 3. Haslach, i. Thyl.         | 7. Hilsingen.           | 19. Ourenbach.            |
| Hettelsheim, im 10. Breiten. |                         | Wöllingen.                |
| Breisgau.                    | Kandern.                | 20. Heubelsheim, bei      |
| Lichtenau i. d. N.           | Weil, die Stadt         | Bruchsal.                 |
| Metzkirch.                   | 11. Knittlingen.        | Krautheim, i. Th.         |
| Pforzheim.                   | Wössbach.               | Börrach.                  |
| Sädingen.                    | Mülheim.                | Mosbach.                  |
| Wörderweidenth.              | 12. Villigheim, i. Pfz. | Neuhäusen, bei            |
| 4. Vettighem.                | 13. Essingen.           | Pforzheim, auch           |
| Kandel.                      | Freiburg, i. Brsg.      | Wettenhausen, i. Schw. B. |
| Langenbrücken,               | Königsbach, auch        | Zweißbrücken.             |
| auch Schwetzingen.           | Pferdemarkt.            | 24. Durlach.              |
| Mannheim.                    | Rastatt.                | 25. Bühl.                 |
| Memmingen.                   | Schönau, i. B.          | Krautheim a. B.           |
| Mosbach.                     | 17. Oppingen.           | Ladenburg.                |
| Schaffhausen.                | Göttingen.              | Medargemünd.              |
| Steckach.                    | Mülheim.                | Sinsheim.                 |
| 5. Grünstadt.                | 18. Gernsbach.          | 26. Villigheim, i. Pfz.   |
| Durlach.                     | Häflich.                | Donaueschingen.           |
| Schopfheim.                  | Weinheim.               | Weingarten,               |
| 6. Saurierdingen.            | 21. Bell, i. Wiesenth.  | bei Durlach.              |
| Grunkenthal.                 | 19. Bruchsal.           | 27. Dürrenzenn.           |
| Griesen, i. Alz.             | Grünstadt.              | Göschwitzheim.            |
| Kehl, S. Schw.               | Kühlehem.               | Kürnbach, b. Btri.        |
| Schwibrücken.                | Kirmasens.              | Überkirch.                |

## Feld- und Gartenbau.

Februar ist der kürzeste Monat, giebt aber doch viel zu thun! Schau abermals nach den Futtervorräthen, denn die Regel sagt, bis Richtfest darf erst die Hälfte verfüttert sein. Untersuche die Kartoffel- und Rübenmeicheln, sind sie zu warm und Würmer darin, so setze sie eilig um. — Bechniede den Hag und fülle seine Lücken aus. Schieß das Dreschen fort, streue Erde zwischen den Dung, ordne an den Geräthen. — Auf Wiesen in Feld und Garten setze die Geschäfte vom Januar fort, halte alle Abzüge rein. Pflühe Spelz- und Weizenfelder, wenn sie mager stehen. Feht es noch an Samen, so eile ihn anzuschaffen. Prüfe in feuchten Lappchen, ob er keimt. Richte Mispelree und Tabaksstümpchen. — Puge die Bäume fleißig aus, entferne dürre Astte, fürzte die Krone der im Herbst gezeigten ein, damit der Stamm stark wird, bindet sie jetzt erst an den Pfählen fest. Schneide Pflrops- und Dulsirreiser. Zuweilen kann man schon Kreissen, Lattig, Monatrettig, Früherben und Petersilien säen. — Weinberg und Keller. Bei kaltem Wetter las Dünger tragen, schneide bei gelindem Wetter Ende Monats Reben, rotte neue Weinberge. Lasse den Wein von der Hefe ab, doch so, daß kein Trub mitgeht. — Bienenstand. Schnee und Mäuse halten von den Stöcken ab, gönne ihnen Ruhe, doch auch etwas Futter. Läß sie nicht erfrieren, sorge aber für frische Luft. Beim Sonnenschein verhüte das Fliegen. Kause neue Stücke.

Ein Student hatte von seinem Vater nichts als ein Paar alte Pelzstiefeln geerbt. „So laßt uns denn“, rief er aus, indem er sie feierlich anzog, „in Gottes Namen unsere Erbschaft antreten.“

Der Bursche eines Berliner Garde-Leutnants brachte seinem Herrn eines Morgens ein Paar Stiefeln in's Zimmer, von denen der eine einen langen Schacht, der andere aber einen kurzen hatte. „Zum Kuckuck, Kerl, was machst du denn? Du bringst mir ja zweierlei Stiefeln zum Anziehen! „Ja, weiß der Henker, Herr Leutnant“, erwiderte ruhig der Bursche, ich habe mir auch schon darüber gewundert, aber was das allerkälteste ist, das ist, daß draußen gerade noch so ein Paar steht.“

Ein loser Vogel schoss aus seinem Fensteremanden, der einen Hering am Schwanz gefaßt trug, mit einem Blasrohr so geschütt auf die Hand, daß der Erbrochene möglich vor Schmerz den Hering fallen ließ. Nach kurzer Überlegung trat er dem Hering dreimal auf den Kopf und sagte beruhigt: „Warte Beest, nun behalte noch einmal, wenn du kannst.“

| III.     | Katholischer und Evangelischer<br>Monat.                         | März. | Planeten-Saft.      | Witter. n. d. 100j. Kal. | Monds.     | Sonnen-    | Anmerkungen.  |       |
|----------|--|-------|---------------------|--------------------------|------------|------------|---|-------|
| Aufg.    | Utrg.  | Afg.  | Utrg.               | U. M.                    | U. M.      | U. M.      |   |       |
| Samst.   | 1 Albinus, Donatus.  |       | C ♀ ♁ u. ♂          |                          | 6. 45      | 5. 41      | Wenn es im<br>März donnert, so<br>soll's ein frucht-<br>bar Jahr bedeu-<br>ten. Den März-<br>monat wünscht der<br>Landmann trocken<br>aber nicht zu<br>warm. Trockener<br>März füllt die<br>Keller. Märzen-<br>staub bringt Gras<br>und Laub. Wenn<br>der März nach und<br>der April trocken<br>ist, so geräbt das<br>Futter nicht. Mär-<br>zschnee schadet<br>der Frucht und dem<br>Weinstock. Wenn<br>die wilden Kraut-<br>he bald kommen,<br>so wird es bald<br>Sommer. So viel<br>Nebel im März,<br>so viel Wetter im<br>Sommer; so viel<br>Tau im März,<br>so viel Reis um<br>Wingsten und Ne-<br>bel im August-<br>monat. |       |
| 9. Pr.   | Zachäus. Luk. 19, 1-10.  |       |                     |                          | 6. 53      | 8. 7       | März füllt die<br>Keller. Märzen-<br>staub bringt Gras<br>und Laub. Wenn<br>der März nach und<br>der April trocken<br>ist, so geräbt das<br>Futter nicht. Mär-<br>zschnee schadet<br>der Frucht und dem<br>Weinstock. Wenn<br>die wilden Kraut-<br>he bald kommen,<br>so wird es bald<br>Sommer. So viel<br>Nebel im März,<br>so viel Wetter im<br>Sommer; so viel<br>Tau im März,<br>so viel Reis um<br>Wingsten und Ne-<br>bel im August-<br>monat.   |       |
| 9. Kath. | Iesus verkündet sein Leiden. Luk. 18, 31-43. (1. Kor. 13, 1-13.) |       |                     |                          | 7. 13      | 9. 16      |   |       |
| Sonnt.   | 2 Ch. Dr. Iustn. Simplic.  |       | ♀ ♂ ♀               | freund-                  | 7. 35      | 10. 23     |   |       |
| Mont.    | 3 Kunigunda  |       | ♂ ☽                 | lich                     | 8. 1       | 11. 27     |   |       |
| Dienst.  | 4 Fastnacht, Adrian, &c.   |       | ♀ Aufg. 6, 30. n.   |                          | 8. 31      | B.M. 6. 34 |   |       |
| Mittw.   | 5 Asch. Mittw., Friedr.  |       | ♂ Aufg. 6, 3. n.    |                          | 9. 5       | 0. 29      |   |       |
| Donn.    | 6 Fridolin   |       | [B. 8.: C ♂ ♂]      |                          | 9. 48      | 1. 28      |   |       |
| Freitag  | 7 Perpetua, Felicitas  |       | C in Erdferne       |                          |            |            |   |       |
| Samst.   | 8 Philemon, Joh. de Deo  |       | 5, 55. n., □        |                          |            |            |   |       |
| 10. Pr.  | Die Mutter der Söhne betet. Matth. 20, 17-23.                    |       |                     |                          | 10. 39     | 2. 20      | 6. 28   | 5. 54 |
| Kath.    | Besuchung Christi. Matth. 4, 1-11. (2. Kor. 6, 1-10.)            |       |                     |                          | 11. 38     | 3. 4       | 6. 26   | 5. 56 |
| Sonnt.   | 9 E. Inv. 40 Ritter, Fr.   |       | C i. ♀, Bi. ♀       |                          | R.M. 3. 41 | 6. 24      | 5. 57   |       |
| Mont.    | 10 Alexander, 40 Märt.   |       | ♂ ☽, C ♂ ♂          |                          | 1. 53      | 4. 12      | 6. 22   | 5. 59 |
| Dienst.  | 11 Sophron., Cyrill, Ros.  |       | ♀ Unterg. 1, 25. n. |                          | 3. 6       | 4. 38      | 6. 20   | 6. 0  |
| Mittw.   | 12 Quat. Gregorius, Fr.  |       | ♀ in ♀ zurück       |                          | 4. 21      | 5. 1       | 6. 18   | 6. 2  |
| Donn.    | 13 Pederinus, Euph. Ernst  |       | ♂ dir., ♀ ☽         |                          | 5. 39      | 5. 23      | 6. 16   | 6. 3  |
| Freitag  | 14 Bacharias, Mathilde   |       | ♂ ♀ ♀, C ♂ ♀        |                          |            |            |   |       |
| Samst.   | 15 Math., Longin, Christ.  |       | ♀ in ☽              |                          |            |            |   |       |
| 11. Pr.  | Iesus weint über Jerusalem. Luk. 19, 41-48.                      |       |                     |                          |            |            |   |       |
| Kath.    | Berührung Christi. Matth. 17, 1-9. (1. Thess. 4, 1-7.)           |       |                     |                          |            |            |   |       |
| Sonnt.   | 16 C. Nem. Heribert, H.  |       | 5, 51. v. C ♀ ♁     |                          | 6. 58      | 5. 45      | 6. 14   | 6. 5  |
| Mont.    | 17 Gertrud, Patricius  |       | Alv. 1 1/3 0. j.    |                          | 8. 19      | 6. 19      | 6. 12   | 6. 6  |
| Dienst.  | 18 Gabriel, Anselm   |       | Ci. Erdn., ♀ dir.   |                          | 9. 42      | 6. 35      | 6. 10   | 6. 8  |
| Mittw.   | 19 Joseph, Nährn.  |       | ♀ 9 u. n.           |                          | 11. 2      | 7. 7       | 6. 8  | 6. 9  |
| Donn.    | 20 Emmanuel, Joach., H.  |       | Ag.-u. Mchtgl.      |                          | R.M. 7. 45 | 6. 6       | 6. 11   |       |
| Freitag  | 21 Benedict, Virginia.   |       | Frühl.-L.           |                          | 0. 16      | 8. 33      | 6. 3  | 6. 12 |
| Samst.   | 22 Clandins, Lea, Nicol.   |       | C 10, 24. n. i. ○   |                          | 1. 21      | 9. 33      | 6. 1  | 6. 14 |
| 12. Pr.  | Iesus verkündet seinen Tod ic. Joh. 12, 20-33.                   |       |                     |                          |            |            |   |       |
| Kath.    | Iesus treibt Teufel aus. Luk. 11, 14-28. (Ephes. 5, 1-9.)        |       |                     |                          |            |            |   |       |
| Sonnt.   | 23 C. Ocnl. Serapion, V.   |       | ♂ △ ♁ heiter        |                          | 2. 15      | 10. 41     | 5. 59   | 6. 15 |
| Mont.    | 24 Pigmen., 7 Schm. M.   |       | ♀ in ☽              |                          | 2. 57      | 11. 56     | 5. 57   | 6. 17 |
| Dienst.  | 25 Mar. Verkünd.   |       | ♂ morgs. t. groß.   |                          | 3. 29      | R.M. 5. 55 | 6. 18   |       |
| Mittw.   | 26 Israel, Ludg. Caſ. Im.  |       | Ausweich. v. ☽      |                          | 3. 58      | 2. 22      | 5. 53   | 6. 20 |
| Donn.    | 27 Anprecht B.   |       | C ♂ ♀ (u. ♂)        |                          | 4. 19      | 3. 34      | 5. 51   | 6. 22 |
| Freitag  | 28 Priscens, Ganth., M.  |       | C ♂ ♀, C ♀ ♁        |                          | 4. 39      | 4. 45      | 5. 49   | 6. 23 |
| Samst.   | 29 Ernstthins, Mechtildis  |       | ♀ Aufgang 5, 5. v.  |                          | 4. 58      | 5. 53      | 5. 46   | 6. 24 |
| 13. Pr.  | Iesus betet für Ich. Joh. 17, 1-5.                               |       |                     |                          | 5. 18      | 7. 2       | 5. 44   | 6. 26 |
| Kath.    | Iesus speist 5000 Mann. Joh. 6, 1-15. (Gal. 4, 22-31.)           |       |                     |                          | 5. 39      | 8. 8       | 5. 42   | 6. 27 |
| Sonnt.   | 30 C. Sät. Guid., Quir.  |       | 8, 20. v. düster    |                          |            |            |   |       |
| Mont.    | 31バルビナ, Cornel., Rom.  |       | ♀ ☽ 6 regen         |                          |            |            |   |       |

Als es mit einer, wegen ihres Geizes berühmten Dame zum Sterben kam, blies sie die Nachtlampe aus und sagte: man kann auch im Finstern sterben.



# März hat 31 Tage.

Wiel und lange Schnee: viel Heu, aber mager Korn und dicke Spreu. — Wiel Schnee, den uns der Feinz entfernte, läßt zurück uns reiche Ernde. — Bleibt der Winter zu fern, nachwintert er gern. — In drei Tage Sonn' und einen Tag Regen, gleicht aus in Niedrigung und Höhe den Segen. — Mag der Hauch nicht aus dem Schornstein wallen, dann will der Regen aus den Wolken fallen. — Baumblüthen, die im Herbst kommen, haben fünfzig Sommer die Frucht genommen. — Stellen Blätter an den Eichen schon vor Mai sich ein, gehtet im Laufe Korn und Wein. — Verblühen nur die Kirchen gut, auch Roggen im Blüb'n dann was Reches thut.



Erstes Viertel den 8.  
unterhält Sonnenschein.

Vollmond den 16. er-  
regt Winde und Schne-  
gewölk.

Letzes Viertel den 22.  
bewirkt heitern Himmel.

Neumond den 30. bringt  
naßes Wetter.

## Jahrmarkt.

|   |                    |                      |                        |                           |                    |
|---|--------------------|----------------------|------------------------|---------------------------|--------------------|
| 2. Anweiler.  | 11. Pfärdt.        | 23. Bellheim.        | 4. Stodach.            | 11. Mosbach.              | 19. Grünstadt.     |
| 3. u. 4. Alzey.   | Pforzheim.         | Frankenthal.         | 5. Gondelsheim.        | Bühlheim.                 | Brumseus.          |
| Wissachheim, an<br>der Tauber.                          | Solothurn.         | 24. Mainz, Messe.    | Grünstadt.             | Billingen.                | Odenbach.          |
| Borberg, † zugl.  | Staufen, Stdt.†    | Mönchweiler. †       | Ottmarsb.              | Ottmarsb.                 | Ottmarsb.          |
| Rossmarkt.  | Waibingen, a. der  | Mößkirch. †          | Schopfheim.            | Külsheim, b. Bi-          | Kenzingen.         |
| Urgingen, i. Alz. †                                     | Ens, † zugleich    | Schönan, bei         | 6. Bonndorf.           | schofb. a. d. Z.          | Lörrach.           |
| Grisingen, i. Alz. †                                    | Rohm.              | Hettelsberg.         | Immendingen.           | 13. Baden, i. d. Mtsig.   | Rastatt.           |
| Kadelburg.  | El. Lauffenburg †  | Stühlingen. †        | Franzenthal.           | auch Schweinem.           | Rothweil a. Rei-   |
| Kirchheim, unter  | Oberndorf, a. R. † | 25. Alptesbach, auch | Gernsbach.             | Uffingen.                 | serstuhl.          |
| Lech. †   | 13. Altfrich.      | Pferd- n. Bichm.     | Lehl, S. Schw.         | Treiburg, i. Dres.        | Gweibrücken.       |
| Mosbach.  | Rust, bei Ettenh.  | Graben.              | Wemdingen.             | Schönen, i. Wst.          | Rosenberg, im B.   |
| Nedargemünd.  | Engen. †           | Geschlingen.         | Sweibrücken.           | 17. Ettlingen.            | 24. Durlach.       |
| Niedlingen.   | Belbenbach. †      | Groß - Jügers.       | 7. Ölzingen.           | Gochsheim.                | Schaffhausen.      |
| Gültengen.  | Mühlburg.          | Hettlingen. †        | 10. Bretten.           | Wülheim.                  | Rosengarten. *)    |
| Bell, i. Wiesentb. 14. Basel, Messe.                    | Basel, Messe.      | Leinfelden.          | Kandern.               | Wiesheim.                 | 25. Schöpingen. *) |
| 4. Witzigheim, † zu-<br>gleich Pferdem. 15. Saargemünd. | Grünstadt.         | Wertheim.            | 11. Wiesheim.          | Württemberg. (1. Apr.)    | Donauschingen.     |
| Wissach, a. Alz.  | Erlberg.           | Reedesheim.          | Langenbrücken,         | Langenbrücken,<br>nicht.) | Ettenheim.         |
| Durlach.  | Welfenburg.        | Reuenstein.          | 18. Bruchsal (1. Apr.) | Haßloch.                  | Sulz, am Neck.     |
| Kusel. †  | 17. Habsheim.      | Stetten, a. L. †     | 19. Mannheim.          | Seel, i. Wiesentb.        | (Schafmarkt)       |
| Schössheim.   | Wülfenbör. †       | 26. Heilbronn. †     |                        |                           |                    |
| 5. Schriesheim.   | Thengen.           | Langenlandel.        |                        |                           |                    |
| Wittnau, a. Bsg.  | Waldstadt.         | Rudolphiell.         |                        |                           |                    |
| 6. Engen. †   | 18. Backnang. †    | Schwingen.           |                        |                           |                    |
| Gärtigen. †   | Gummendingen. †    | Zegernau. †          |                        |                           |                    |
| Sulz, a. Neck. +  | Geislingen.        | Möllach. †           |                        |                           |                    |
| augl. Pferdem.  | Gochsheim.         | Blumberg.            |                        |                           |                    |
| Stein, b. Breit. †                                      | Knittlingen. †     | Würnsheim.           |                        |                           |                    |
| 9. Kandl.   | Walsch.            | 31. Eichholzheim.    |                        |                           |                    |
| 10. Eppingen.   | Overlenningen.     | Kusel. †             |                        |                           |                    |
| Hastach, i. Bzgl.                                       | Oberjettingen.     | Wyptingen. †         |                        |                           |                    |
| Lenzkirch.  | Sinsheim.          | Waldorf, am          |                        |                           |                    |
| Dehringen.  | Schaffhausen. †    | Wobensee             |                        |                           |                    |
| Thann   | 19. Hornberg. †    | Wahlberg.            |                        |                           |                    |
| 11. Baden, i. d. Mtsig.                                 | Muban.             | Reutstatt, im        |                        |                           |                    |
| Gauw.   | 20. Beutelsbach.   | Schwarzw. †          |                        |                           |                    |
| Gehringen.  | Engen. †           | Kuchen.              |                        |                           |                    |
| Gießen.   | Empfingen. †       | Schramberg. †        |                        |                           |                    |
| Küsheim.  | Pfalzgrafenweiler. | Trotzelschingen.     |                        |                           |                    |
|   |                    | Well, d. Stadt. †    |                        |                           |                    |

## Besondere Viehmärkte.

|                       |                               |               |
|-----------------------|-------------------------------|---------------|
| 3. Haslach, i. Kathl. | 3. Rosenberg, im B.           | 4. Kandl.     |
| Hettersheim.          | Schönaa, b. Het-<br>tersheim. | Wemmingen.    |
| Wingolsheim.          | Wörterweidenth.               | Mosbach.      |
| Mößkirch.             | 4. Wissach, a. d. Z.          | Schaffhausen. |
| Pforzheim.            |                               | Schriesheim.  |

## Feld- und Gartenbau.

Fahre in den Geschäften vom Februar fort. Stich die Frucht fleißig um! — Auf Wiesen halte guten Abzug, reinige die Wassergräben, wässere wenig, — „Mäzen-  
stüb bringt Gras und Laub!“ breite Compost- und Erd-  
haufen aus, düng mit Asha. Ebne die Maulwurshaufen,  
fange jetzt die Maulwürfe, ehe sie Jungé werfen. — Gar-  
ten und Feld. Schore und pflege das Tabaksfeld bei  
trockenem Boden bearbeite den Repps, egge bei gutem Wetter  
das Leinsfeld recht klar („milde Egge, schöner Flachs.“) Ins  
Fruchtfeld säe deutschen und ewigen Klee; gipfe die alten  
Kleefelder. — Duelle-Dürräben- und Möhrensamen, säe  
ihm in Gärten, eben so die Erdkohlraben. Säe Tabakssamen  
in gedekte Kutschen. Säe Sommerweizen, Hafer, Getreide,  
Erbien, Widen und Linien. Säe im Garten Salat,  
Weißkraut, Kohlraben, Schwarzwurzeln, Schnittkohl,  
Zwiebeln und Cichorien. Verleiße Schnittlauch, ewige Zwie-  
beln und anderes, bäckle Erdbeeren und Kopfsalat. Versche  
Bäume. Rimm den fernd oculirten Bäumen den Verband  
ab. Stelle den Raupennestern nach. — Weinberg und  
Keller. Bei trockenem Wetter düng und hache, schneide  
Reben, verlege alte Stöcke, seige in den Rottgräben neu an-  
gelegter Reben, stecke Pfähle. Fülle alte Weine auf. Ist die  
Witterung sehr warm und schon seit sechs Wochen abgelassen,  
so läßt man jetzt zum zweitenmal ab. — Bienenstand. Füt-  
tere fleißig, halte den Bienenstand rein, öffne, damit sich  
die Stöcke reinigen. Verhüte Räubereien und zu frühes  
Aussiegen.

\*) Mariä Verkündigung. Das Bürgermeisteramt in Schwingen ließ eine frankte Buschrift und dann alle weiteren  
Briefe zurückgehen, es kann daher nicht bestimmt werden, ob und auf wann wegen des Heilertages der Viehmarkt in dem  
halbkatholischen Schwingen verlegt wird.



## IV. Katholischer und Evangelischer

Monat. April oder Ostermonat.

## Planetensatz.

Witter. n. d. 100j. Kal.

|         |                         |  |                  |
|---------|-------------------------|--|------------------|
| Dienst. | 1 Hugo Bischof          |  | näf              |
| Mittw.  | 2 Abundus, Theodor      |  |                  |
| Donn.   | 3 Venatus, Richard      |  | C i. Erdf. 8 ♂ ♀ |
| Freitag | 4 Ambrosius, Isidor, B. |  |                  |
| Samst.  | 5 Martialis, Vinzenz    |  | C i. 8 ♂ ♀       |

| Mond- | Sonnen- | Anmerkungen. |       |       |       |
|-------|---------|--------------|-------|-------|-------|
| Aufg. | Utg.    | Afg.         | Utg.  | U. M. | U. M. |
| V. M. | N. M.   | 5. 40        | 6. 29 |       |       |
| 6. 32 | 10. 17  | 5. 38        | 6. 30 |       |       |
| 7. 5  | 11. 17  | 5. 36        | 6. 32 |       |       |
| 7. 44 | V. M.   | 5. 34        | 6. 33 |       |       |
| 8. 31 | 0. 11   | 5. 32        | 6. 35 |       |       |

## 14. Br. Confirmationstag.

Kath. Juden wollen Jesum feiern. Joh. 8, 46-59. (Ebr. 9, 11-15.)

|         |                           |  |                  |
|---------|---------------------------|--|------------------|
| Sonnt.  | 6 E. Ind. Irenäus, Cels.  |  | ♀ Aufg. 3, 54 v. |
| Mont.   | 7 Cölestinus, Egesipp.    |  | 0, 48. n.        |
| Dienst. | 8 Maria i. Eg., Amant.    |  | C ♂ ♂ reg-       |
| Mittw.  | 9 Sybilla, Mar. Cl. Bog.  |  | nerisch          |
| Donn.   | 10 Ezechiel, Daniel, Mac. |  | Aufg. 2, 50 n.   |
| Freitag | 11 Leo Papst              |  | C ♂ ♀ ♂          |
| Samst.  | 12 Julius, Zenobia        |  | B i. ♂ C ♂ Qu.   |

Dürre April

Ist nicht des Bauern Will;

April-Regen ist ihm gelegen.

St. Georg und Marx

Dränen oft viel Arg's.

Wenn die Neben um Georg sind noch blut und blind, soll sich freuen Mann,

Weib und Kind.

Der März im Schwanz,

Der April ganz,

Der Mai neu',

Hatten selten Treu.

Wer der März nicht will,

Den nimmt der April.

## 15. Br. Jesus betet für seine Jünger ic. Joh. 17, 6-26.

Kath. Christ Eintritt zu Jerusalem. Matth. 21, 1-9. (Phil. 2, 5-11.)

|         |                                      |  |                |
|---------|--------------------------------------|--|----------------|
| Sonnt.  | 13 E. Palmi. Egesipp., P             |  | C ♂ ♀          |
| Mont.   | 14 Tiburtius, Val Mar                |  | 3, 32. n. auf- |
| Dienst. | 15 Olympius, Basilides               |  | heiternd       |
| Mittw.  | 16 Daniel, Aaron, Callist.           |  | C in Erdnähe.  |
| Donn.   | 17 Gründ. <sup>Leib.</sup> Undolf    |  | ♀ mirg.        |
| Freitag | 18 Charsc. <sup>Geburt.</sup> Ulmann |  | C. ♂ in größt. |
| Samst.  | 19 Werner, Leo X.                    |  | ♀ □ ♂ Glanz.   |

Kinder im geboren.

## 16. Br. Auferstehung des Herrn. Joh. 20, 1-18.

Kais. Auferstehung Christi. Marc. 16, 1-7. (1. Kor. 5, 7. 8.)

|         |                         |  |                         |
|---------|-------------------------|--|-------------------------|
| Sonnt.  | 20 E. Osterfest Hermann |  | C i. 3 ♂ ♀ ♂ ♂          |
| Mont.   | 21 2. Osterf. Anselm B. |  | 62 v. C ♂ ♂             |
| Dienst. | 22 Cajus, Sotherus      |  | C ♂ ♂                   |
| Mittw.  | 23 Georg, Adalbert      |  | ♀ ♂ ♀ windig            |
| Donn.   | 24 Albrecht, Fidelius   |  | C ♂ ♂                   |
| Freitag | 25 Marcus Evang.        |  | (u. h)                  |
| Samst.  | 26 Anacletus, Marc.     |  | Al. v. Aeg. 13 1/2 0 n. |

Bist du in dem Zeichen des Stiers geboren, so merke

Freund dir's: Freunde dein Landgut

mit Fleisch, Sei froh im geselligen Kreis, Die heitere

dern traurigen Blick

Die liebliche füße

Musik, Das herrliche Sternengesetz

Sei Bild dir der lüstigen Welt,

Und liebst du ein Mädchen, so sei

Es bis in den Tod dir getren!

## 17. Br. Jesus das Brod des Lebens. Joh. 6, 35-40.

Kath. Jesus bei verschlossenen Thüren. Joh. 20, 19-31. (1. Joh. 5, 4-10.)

|         |                        |  |                    |
|---------|------------------------|--|--------------------|
| Sonnt.  | 27 E. Una. Anastasius  |  | Unterg. 3 1/2 u.v. |
| Mont.   | 28 Vitalis             |  | C ♂ ♂ regen        |
| Dienst. | 29 Petrus Märt.        |  | 0, 1. v., B i. ♂   |
| Mittw.  | 30 Quirinns, Katharina |  | Unterg. 3 1/2 u.v. |

Lageslänge

d. 6. 13 St. 6 M.

13. 13 - 39 -

20. 13 - 55 -

27. 14 - 18 -

„Wenn nun nächstens der Storch kommt, lieber Rudolf, was willst Du, ein Brüderchen oder ein Schwesternchen?“ „Lieber Vater, wenn Dir's ganz egal ist, möchte ich wohl am liebsten ein Schaukelpferd haben.“



# April hat 30 Tage.

Halten Bir' und Weid' ihr Wipsel-  
laub lange, ist zeit'ger Winter und gut  
Frühjahr im Gange. — Viel Buchenfeuer  
und Eichen, dann wird auch der Winter  
nicht schneien. — An schönen Herbst  
und gelinden Winter glaubt, werden die  
Bäume schon im September entlaubt; doch  
bleibt das Laub bis zum November hin-  
ein, wird strenger Winter sein kurzer sein.  
— Wenn am Schlehdorn vor Mai schon  
Blüthe hängt, so ist der Frühling vor Tobi empfangt. — Um Heu und  
Korn wird schmierig es stehn, je später  
wir Blüthen am Schlehdorn sehn. — Viel  
Höfen, viel Korn, viel Speis' und  
Trank, und Gott dem Herrn verdoppelten  
Dan!



Erstes Viertel den 7.  
meist regnerisch.

Bollmond den 14. auf-  
heiternd, unsjet.

Letztes Viertel den 21.  
windig und veränderlich.

Neumond den 29. frisch  
und heiter.

## Jahrmärkte.

|                          |                        |                       |                   |                        |
|--------------------------|------------------------|-----------------------|-------------------|------------------------|
| 1. Biedesheim.           | 21. Dördingen, bis 23. | Königshofen.          | 2. Grünstadt.     | 7. Böderweidenth.      |
| Bressach.                | Maulbronn. †           | Langenlanden.         | Outrandsch.       | 16. Outrnbach.         |
| Geisingen. †             | Dornstetten, bei       | Obertrixingen.        | Achern.           | 17. Zweibrücken.       |
| Kandern.                 | Freudenstadt. †        | Wottwil.              | Adelsheim.        | 21. Wachenheim.        |
| Luzel. †                 | Hedingen.              | St. Georgen, bei      | Schopfheim.       | 22. Grüningen.         |
| Neustadtchen.            | Hochheim, a. M.        | Freiburg.             | Häfslach.         | Kusel.                 |
| Böck.                    | Kirchheim, a. R.       | Strassburg,           | Dülzheim.         | 9. Villingheim, i. Pf. |
| Wirmasens.               | Langenau.              | 3 Tage.               | Gernsbach.        | 10. Villighem.         |
| Solothurn,               | Merdingen.             | Weyl.                 | Griesen, i. Klgg. | 11. Lörrach.           |
| 6 Tage.                  | Mutterstadt.           | 24. Utendorf, im      | Kehl, St. Schw.   | 24. Lörrach.           |
| 2. Bruchsal.             | Nürtingen.             | Schwarzw. †           | Durlach.          | 25. Durlach.           |
| Ueberlingen. †           | Dehringen.             | Böddingen, auch       | Hilzingen.        | 26. Müllheim.          |
| 3. Hayingen.             | 22. Achern.            | Eiserdemarkt.         | Haslach i. Eggt.  | 27. Märgen.            |
| Zweibrücken.             | Bahlingen.             | Dürrenzsch. †         | 14. Bretten.      | 28. Langenbrücken,     |
| 6. Böderweidenth.        | Weilstein. †           | Neuenburg, am         | Hettersheim.      | auch Schweinheim.      |
| 7. Appenweier.           | Blochingen.            | Rhein. †              | Engen.            | 29. Diergarmünd.       |
| Diez.                    | Elmendingen.           | 27. Edenloben.        | Kirchheim, n. L.  | Reßbach.               |
| Überbach, a. Kreis.      | Erzingen, im           | Klingenberg.          | Kandern.          | 30. Sätingen.          |
| Gernsbach.               | Kleggen. †             | Mördlingen,           | Wiesenthal.       | Wetzenheim.            |
| Wöhringen. †             | Groß-Baufen-           | (Wesse.)              |                   |                        |
| 8. Altensteig.           | burg. †                | Schelbenhardt.        |                   |                        |
| Bergzabern.              | Herbolzheim.           | Schwellen.            |                   |                        |
| St. Georgen, b.          | Hörtzen, bei           | Wachenheim.           |                   |                        |
| Villingen. †             | Gernsbach. †           | 28. Bischofsheim, am  |                   |                        |
| Gütingen.                | Sehl, Stadt. †         | Neckar.               |                   |                        |
| Klosterwald. †           | Denkendorf.            | Obshofheim, an        |                   |                        |
| Sabi. †                  | Mosbach.               | der Tauber.           |                   |                        |
| Wetzeln.                 | Mülhausen.             | Olnhausen.            |                   |                        |
| 9. Transcar. a. M.       | Öffnadingen.           | Rastatt.              |                   |                        |
| (Wesse.)                 | Pforzheim.             | Meldingen.            |                   |                        |
| Gernsbach, b. W.         | Philippenburg.         | Schönau, i. Wst.      |                   |                        |
| Waldshut. †              | Geissbach.             | Kenzingen. †          |                   |                        |
| 10. Aach.                | Solothurn.             | Öhingen.              |                   |                        |
| Altkirch.                | Villingen. † auch      | Wett, die Stadt. †    |                   |                        |
| Denkendorf.              | Fruchtmärkt.           | Thüngen, bei          |                   |                        |
| Hüdingen. †              | Waldburn.              | Waldbüttel. †         |                   |                        |
| St. Wendel.              | Wiesloch.              | 29. Hilsbach, b. Sch. |                   |                        |
| 11. Welschtingen. †      | Bell, a. Hamb. †       | Kenzingen. †          |                   |                        |
| 12. Detting, u. L. † 23. | Voitwar.               | Öhlenburg.            |                   |                        |
| 14. Thann.               | Bretten.               | Steitfeld, b. Brs.    |                   |                        |
| 15. Bernec, i. Schw.     | Donaueschingen. †      | Wähingen, a. b.       |                   |                        |
| Wickelfeld.              | Elzach.                | Eng. † a. Nost.       |                   |                        |
| 16. Gengenbach. †        | Gondelsheim.           | Bell, i. Wiesenb.     |                   |                        |
| 17. Altkirch.            | Grafenhausen, i.       | 30. Vorberg, † auch   |                   |                        |
| Stockach.                | Schwarzw. †            | Eiserdemarkt.         |                   |                        |
| 21. Augsburg, Wesse      | Homburg v. d. O.       | Stein, am Rhein.      |                   |                        |
| Berg.                    | Kochendorf.            |                       |                   |                        |
| Besondere Viehmärkte.    |                        |                       |                   |                        |
| 1. Wettighem.            | 1. Kandel.             | 1. Memmingen.         |                   |                        |
| Bruchsal.                | Wannheim.              | Schaffhausen.         |                   |                        |

## Feld- und Gartenbau.

Ufste öfter den Fruchtspeicher und sich die Frucht fleißig am, da der Kornwurm jetzt gefährlich wird. — Auf den Wiesen wässere nur bei Nacht und wenn das Wasser wärmer ist, als sie kult. Trübwater lasse nur auf moorige und Sumpfwiesen. Verein in die Maulwurfsbäume. — Auf dem Feld kehre die Hafer- und Gerstenaaat. Richte die Acker für Kartoffeln, Hanf und Tabak recht sorgfältig. Dinge das Tabaksfeld. Egge die Lanzenselber scharf ab. — In der ersten Hälfte des Monats, wenn es nicht schon im März geschehen konnte, säe Tabak in die Kutschinen oder Beete, gieße die Tabaksküschinen fleißig, pfuble sie und gieße darauf ab, jätte sie fleißig und überwirf sie mit feiner Komposterde, damit die Pflänzchen nicht blechniegen. Säe Klee, Luzerne und Esper unter Hafer und Gerste, gieße die Kleeaäter bei trübem, windstillem Wetter. Quelle Riesenmöhrchenamen. Säe Widen, Linsen, Erbsen, Ackerbohnen, Niessenköhnen, Frühlirulen und Gelbrüben in Reihen, kein zu Samen dünn, zum Gespinst sehr dicht und breitwürfig. Möhren aus wilden Reppen und Winterfrucht. — Stecke Kartoffeln, Zuckerrüben, lege Bohnen, Welschkorn. Säe Ende des Monats Hanf. — Samenpflanzen von Möhren, Kunkelrüben &c. nimm bei gelindem Wetter aus dem Keller oder Wieschen und setze sie in's Land. — Pitire (verstupse) Tabak. Pitirte Pflanzen decke bei kühllem Wetter mit Stroh. Lege Spargelbeete an. Verlege starke Kraut-, Salat- und Kohlrabenpflanzen. Gieße Kern- und Steinschalenbeete. Beginne mit Pfeffern und Kopfpirsen. Bejchneide und hache die Hopfen. Im Weinberg schneide Neben, stecke Pfäble, lege Bindraben ein, fahre fort in jungen Weinbergenlagen. Verlege alte Neben. Reinige die Bienen töde und füttere die Bienen, denen es an Nahrung fehlt.

| V.      | Katholischer und Evangelischer<br>Mai oder Wonnemonat  | Planeten-Satz.           | Mond-  | Sonnen- | Anmerkungen. |          |          |   |   |
|---------|--|--------------------------|--|---------|--------------|----------|----------|---|---|
| Monat.  |  | Witter. u. d. 100j. Kal. | Aufg.  | Untrg.  | Afg.         | Utg.     |          |   |   |
|         |  |                          | U. M.  | U. M.   | U. M.        | U. M.    |          |   |   |
| Donn.   | 1 Philipp Jak., Walb.  | ℳ                        | C in Erdferne                                | B.M.    | R.M.         | 4. 42    | 7. 13    | Abendhaut und<br>fühl im Mai,<br>Bringet Wein und<br>vielen Hen.  |   |
| Freitag | 2 Athanakus, Sigmund   | ℳ                        | C, Cim ♀, C ♂                                | 6. 27   | 10. 52       | 4. 40    | 7. 14    | Pankraz- und Ur-<br>bantag ohne<br>Regen,   |   |
| Samst.  | 3 + Erfindung.   | ℳ                        | (♂)  | 7. 19   | 11. 33       | 4. 39    | 7. 16    | Dann folgt ein<br>großer Wein-<br>legen.  |   |
| 18.     | Pr. Bittet, so wird euch gegeben ic. Matth. 7, 7-14.<br>Kath. Vom guten Hirten. Joh. 10, 11-16. (1. Petri 2, 21-25.)       |                          |  |         |              |          |          | Mat läßt Brach-<br>monat nah,<br>füllt den Bauern<br>Fruchtböden und<br>Roh.                              |   |
| Sonnt.  | 4 G. M. Monica, Flor.  | ℳ                        | [d. 6.: ♀ morgs. in<br>gr. Aufg. Ausw. v. ♂] | 8. 18   | B.M.         | 4. 37    | 7. 17    |   |   |
| Mont.   | 5 Gottthard, Pius V.   | ℳ                        | [gr. Aufg. Ausw. v. ♂]                       | 9. 22   | 0.           | 7. 4. 36 | 7. 19    |   |   |
| Dienst. | 6 Johann v. d. Pf. D.  | ℳ                        | ♀ t. ♂ ♂ ♂                                   | 10. 30  | 0. 35        | 4. 34    | 7. 20    | Ein läßler Mai,<br>Bringt gut Ge-<br>schrei.  |   |
| Mittw.  | 7 Cyriacus, Gottfried  | ℳ                        | ℳ 3, 58. v., C ♂                             | 11. 39  | 1.           | 0. 4. 32 | 7. 21    | Vor Nachtrost<br>bist du sicher   |   |
| Donn.   | 8 Mich. Ersch., Stanisl.   | ℳ                        | ℳ 4 ♂ ♂ ♂                                    | R.M.    | 1. 23        | 4. 31    | 7. 23    | Nach Frost<br>bis daß herein<br>Servatius<br>bricht.  |   |
| Freitag | 9 Beatus, Hiob, Gregor   | ℳ                        | C ♂ 4 u. ♂                                   | 2.      | 5            | 1. 46    | 4. 29    | 7. 24   | Sie Rettig im<br>wüßterigen Zeichen<br>des wachsenden |
| Samst.  | 10 Gordian, Anton  | ℳ                        | ℳ 8 ♂ ♂, C ♂ ♀                               | 3. 22   | 2.           | 9. 4. 28 | 7. 26    | Monats.   |   |
| 19.     | Pr. Wer mit nachfolgen will ic. Matl. 8, 34-38.<br>Kath. Ueber ein Kleines ic. Joh. 16, 16-23. (1. Petri 2, 11-19.)        |                          |  |         |              |          |          |   |   |
| Sonnt.  | 11 G. Jub. Ericus, Luise   | ℳ                        | ♀ Aufg. 2, 56. v.                            | 4. 43   | 2. 32        | 4. 26    | 7. 27    |   |   |
| Mont.   | 12 Pancratius  | ℳ                        | ℳ Utg. 9. 32. n.                             | 6. 6    | 2. 58        | 4. 25    | 7. 29    |   |   |
| Dienst. | 13 Servatius, Emilie, Fl.  | ℳ                        | ℳ 11. 34. n., ♂ t.                           | 7. 29   | 3. 30        | 4. 23    | 7. 30    | Wenn es am<br>ersten Mai kalt ist,<br>oder ein Reif fällt,<br>so gerichtet die                            |   |
| Mittw.  | 14 Epiphan., Bonif., Chr.  | ℳ                        | C in Erdn. ♂                                 | 8. 46   | 4. 11        | 4. 22    | 7. 31    | Frucht nicht.   |   |
| Donn.   | 15 Sophia, Lorquatus B.  | ℳ                        | ℳ, ♀ dir., C ♂                               | 9. 53   | 5.           | 5. 4. 21 | 7. 33    | Walläserjahr,   |   |
| Freitag | 16 Peregrin., Joh. v. Nep.   | ℳ                        | Cim ♂ ♂ ♂                                    | 10. 46  | 6. 12        | 4. 18    | 7. 34    | ein gutes Jahr.   |   |
| Samst.  | 17 Corpnatus, Ubaldus  | ℳ                        | ℳ Aufg. 1, 30. v.                            | 11. 28  | 7. 27        | 4. 18    | 7. 35    | Kinder in ♂<br>geboren.   |   |
| 20.     | Pr. Fürchte dich nicht, du kleine Heerde ic. Lut. 12, 32-38.<br>Kath. Von Christi Hingang. Joh. 16, 5-14. (Joh. 1, 17-21.) |                          |  |         |              |          |          | Geboren in dem<br>Zeichen der Zwil-<br>linge, Kannst du<br>verrichten viele<br>schöne Dinge;              |   |
| Sonnt.  | 18 G. Cant. Chrischona   | ℳ                        | ℳ in ♂, ♂ dir.                               | B.M.    | 8. 44        | 4. 17    | 7. 37    | Hab' Lust zur<br>Weisheit und Ge-<br>schicklichkeit, Stu-<br>die wohl in deiner<br>Jugendzeit;            |   |
| Mont.   | 19 Potentiana, Ed., Prud.  | ℳ                        | ℳ 8 * ♀ ♂ ♂                                  | 0.      | 10.          | 1. 4. 16 | 7. 38    | Set fröhlich alle-<br>zeit und auch kurz-<br>weilig; Mische dich<br>in fremde Hän-<br>del nicht voreilig; |   |
| Dienst. | 20 Christian, Athanasius   | ℳ                        | ℳ 4, 13. n., ♂ ♂                             | 0. 28   | 11. 16       | 4. 14    | 7. 39    | Rummst du viel<br>ein, so zahl auch<br>aus geschwind,   |   |
| Mittw.  | 21 Constantinus, Prudens   | ℳ                        | ℳ in ♂ schwul                                | 0. 51   | R.M.         | 4. 13    | 7. 40    | Und drehe nie den<br>Mantel nach dem<br>Wind.   |   |
| Donn.   | 22 Helene, Julie, J.   | ℳ                        | ℳ 8 ♂ 4, ♀ * ♂                               | 1. 11   | 1.           | 37       | 4. 12    | Tageslänge  |   |
| Freitag | 23 Festderius B.   | ℳ                        | (C ♂ 4                                       | 1. 31   | 2.           | 44       | 4. 11    | 5. 14   |   |
| Samst.  | 24 Johanna, Esther   | ℳ                        | C ♂ ♀ helter                                 | 1. 52   | 3.           | 50       | 4. 10    | b. 4. 14 St. 40 M.  |   |
| 21.     | Pr. Was ihr bitten werdet in meinem Namen ic. Joh. 14, 13-21.<br>Kath. Vom Gebet. Joh. 16, 23-30. (Joh. 1, 22-27.)         |                          |  |         |              |          |          | 6. 12   |   |
| Sonnt.  | 25 G. Vog. Urbannus, Gr.   | ℳ                        | ℳ A.v.A. 20° 57' n.                          | 2. 13   | 4. 56        | 4. 9     | 7. 45    | 11. 15 * 1 *  |   |
| Mont.   | 26 Nemigins, Beda  | ℳ                        | ℳ trüb                                       | 2. 36   | 6.           | 0. 4     | 8. 7. 46 | 18. 15 * 20 *   |   |
| Dienst. | 27 Entropius, Luc., M.   | ℳ                        | ℳ 4, 0. n., t. Erdf.                         | 3.      | 8            | 7. 2. 4. | 7. 47    | 25. 15 * 36 *   |   |
| Mittw.  | 28 Wilhelm, German B.  | ℳ                        | ℳ 4, 0. n., t. Erdf.                         | 3. 43   | 7. 59        | 4. 6     | 7. 48    |   |   |
| Donn.   | 29 Christi Himmels Mar.  | ℳ                        | ℳ 8 ♂ ♂ C ♂ ♂                                | 4. 25   | 8. 50        | 4.       | 5. 7. 49 |   |   |
| Freitag | 30 Wigand, Felix P.  | ℳ                        | Ct. ♂, C ♂ ♀                                 | 5. 15   | 9. 33        | 4.       | 5. 7. 50 |   |   |
| Samst.  | 31 Crescentia, Petronella  | ℳ                        | ℳ 8 Utg. 9 u. 52' n.                         | 6. 12   | 10.          | 10. 4.   | 4. 7. 51 |   |   |

„Wem gehört denn die kleine M. geburt dort am Ofen?“ fragte eine Dame in einer Gesellschaft. — „Es ist meine Tochter,“ antwortete ihre vornehme Nachbarin. — „So ist ei! das ist ja ein allerliebstes Kind!“

# Mai hat 31 Tage.

Lassen die Frösche sich hören mit Karren,  
wirkt du nicht lang auf Regen harren. —  
Wenn der Kroßlaich im Lenz tief im  
Wasser war, auf trocknen Sommer deutet  
das; liegt er flach nur oder am Ufer gar,  
dann wird der Sommer besonders nass. —  
Wenn Johanniswürmchen schön leuchten  
und glänzen, kommt Wetter zur Lust und  
im Freien zu Tänzen; verbirgt sich das  
Tierchen bis Johannus und weiter, wird's  
Wetter einfließen nicht warm und nicht  
heiter. — Wenn Spinnen fleißig weben im  
Freien, läßt sich dauernd schön Wetter  
voraussagen; wenn sie nicht, wird's Wetter  
sich wenden, geschieht's bei Regen, wird bald  
er enden.



Erstes Viertel den 7. kühl  
und regnerisch.

Vollmond den 13. heiter,  
angenehm.

Letztes Viertel den 20.  
Sonnenschein und Gewölk.

Neumond den 28. erzeugt  
Gewitterlust.

## Jahrmärkte.

|                    |                     |                   |                        |                  |                        |
|--------------------|---------------------|-------------------|------------------------|------------------|------------------------|
| 1. Aalen.          | 4. Landau.          | 13. Müllheim.     | 12. Bretten.           | 15. Rothweil, am | 21. Grünstadt.         |
| Auen, a. d. Ted.   | Bürgartswiesen.     | Schwibrücken.     | Kandern.               | Kaiserslaut.     | Pirmasens.             |
| Buchen.            | 5. Gontzen, Messe,  | Gütingen.         | Süßlingen.             | Straßburg, 3 E.  | Ottenbach.             |
| Entenheimmünster.  | 14. Tage.           | Gütingen.         | Bühl.                  | Schwibrücken.    | 22. Ottenbach.         |
| Haslach, i. Kitz.  | Haslach, i. Kitz.   | Ichenheim.        | Edesheim.              | 19. Gütingen.    | Krautheim, auf'm       |
| Treubenstein, †.   | Kirchheim, u. L. †  | Kandel.           | Rülzheim.              | Gütingen.        | Berg.                  |
| Stengen.           | Leipzig, Messe,     | Kaiserslautern.   | Sinsheim.              | Mühlheim.        | 26. Durkach.           |
| Hohmersheim, a.    | 3 Wochen.           | Kaufen, Dorf.     | 14. Billigheim, i. Pf. | Wachenheim.      | 28. Billigheim, i. Pf. |
| Nedar.             | Münzesheim, bei 19. | Gütingen.         | Külsheim.              | Wei, die Stadt.  | Drauselstingen         |
| Heidelberg, bei    | Bretten.            | Heidelberg, Messe | 15. Freiburg, i. Brsg. | Hasloch.         | 20. Hasloch.           |
| Bruchsal, †.       | Offenburg.          | 8 Tage.           | 22. Engen.             | Wingarten, bei   | Hasloch.               |
| Heidenheim.        | Büllendorf, †       | Heilbronn, †      | Gütingen.              | Geisingen.       | 21. Bruchsal.          |
| Heilbronn, Messe   | Gärtlingen, †       | Heilbronn.        | 25. Göttingen.         | Grünsheim.       | 29. Oberkirch.         |
| Herrenalb, †.      | Siegelsbach.        | Solothurn.        | 27. Badung, †          | Ettenheim.       | Ettenheim.             |
| Hohenhaelach.      | 6. Gächlingen, †    | St. Georgen, bei  | Badung.                |                  |                        |
| Homburg v. d. H.   | Erzingen.           | Münchweiler, tr.  | Gau.                   |                  |                        |
| Archberg.          | 7. Riehen, †        | Büllingen, †      | Friedrichshafen, †     |                  |                        |
| Vichtenau, in der  | Niederbach, i. Pf.  | Büllingen, †      | Kittlingen, †          |                  |                        |
| Markgrafschaft.    | Wettingen, †        | Büllingen, †      | Asperg, †              |                  |                        |
| Zöllingen, †       | 7. Riehenfelden.    | Büllingen, †      | Asperg.                |                  |                        |
| Mannheim, Messe    | Nebelringen, †      | Büllingen, †      | Kornbach, b. Br.       |                  |                        |
| Marbach, [Se.]     | 8. Niedernbach, †   | Büllingen, †      | Stauf, Sib., †         |                  |                        |
| Überkirch.         | 9. Lindau.          | Büllingen, †      | Strümpfelbrunn,        |                  |                        |
| Oberndorf, a. M. † | Friedburg, Messe,   | Büllingen, †      | Thann.                 |                  |                        |
| Schenkenzell.      | 6 Tage.             | Schramberg, †     | Liesenbrom, †          |                  |                        |
| Schwenningen, †    | 12. Billigheim, bei | Thann.            | Speyer.                |                  |                        |
| Waldkirch.         | Wosbach.            | Liesenbrom, †     | Weingarten.            |                  |                        |
| Waldshut, †        | Bühl.               | 13. Darmstadt.    | Steinwenden.           |                  |                        |
| Wehr.              | Freiburg, Messe,    |                   |                        |                  |                        |
| Wolfsweiler.       | 6 Tage.             |                   |                        |                  |                        |
| Augenhausen.       | Schramberg, †       |                   |                        |                  |                        |
| 3. Bonndorf, †.    | Thann.              |                   |                        |                  |                        |
| Innertingen.       | Liesenbrom, †       |                   |                        |                  |                        |
| Urburg.            | 29. Speyer.         |                   |                        |                  |                        |
| 4. Hasloch.        | 13. Darmstadt.      |                   |                        |                  |                        |
|                    | Külsheim.           |                   |                        |                  |                        |
|                    |                     |                   |                        |                  |                        |

## Besondere Viehmärkte.

|                      |                   |                   |                     |                     |
|----------------------|-------------------|-------------------|---------------------|---------------------|
| 1. Eichholzheim.     | 5. Heitersheim.   | 6. Schaffhausen.  | 7. Grünstadt.       | 8. Eßlingen.        |
| Emmendingen.         | Möhringen, † zu-  | Stodach.          | Ottenbach.          | Hilzingen.          |
| Frankenthal.         | gleich Schaffn.   | Mößkirch.         | Adolphshöll.        | Hafstatt.           |
| Griesen, i. Kleg.    | Mößkirch.         | Pforzheim.        | Schopfheim.         | Schönenau, i. Brsg. |
| Kehl, Stadt,         | Pforzheim.        | Schönaue, b. Hdb. | 8. Eßlingen.        |                     |
| Schweinem.           | Schönaue, b. Hdb. | Bordemelndeth.    | Hilzingen.          |                     |
| Schwibrücken.        |                   |                   | Hafstatt.           |                     |
| 2. Vichtenau, in der | 6. Kandel.        |                   | Schönenau, i. Brsg. |                     |
| Markgrafschaft.      | Mannheim.         |                   |                     |                     |
| 5. Hasloch.          | Memmingen.        |                   |                     |                     |

## Feld- und Gartenbau.

Speichergerüste wie im April, richt' Scheuer und Tenne her. — Auf die Wiesen lehre das Wasser nach trocken, hellen Tagen, aber nur des Nachts. — Garten und Feld. Pflire noch Tabak, jäte und gieße die Kutsch'en fleißig, sind die Pflänzchen stark genug, so gieße sie, rupfe und verseye sie auf's Feld. Bei trockenem Wetter gieße an die Seystellen. Sehe auch Kraut, Erbschöhraben ic., überegge die Kartoffelräder. Uebereggé oder walze die Sommer-saat. Sie Welschorn, Mohn, Buchweizen, Kopsfälz, Erben, Endivien, Lauch. Gieße fleißig am Morgen. Halte die Baumschule rein, pfröpe in Stamm und Rinde, ocu-lire Steinobst. Vertilge die Rauben, welche jetzt am Abend dicht zusammenstehen. Nimm den im vorigen Jahre oculirten Stämmchen den Verband ab. Gib den Hopfen Stan-gen und bind'e sie auf. — Im Weinberg folge bei trockenem Wetter, brich die unnötigen Augen aus. — Im Bienenstand sorge für Reinhaltung und Raum. Die Bienen fangen zu schwärmen an.

Friedrich II. wandte sich an einen alten Premerleute-nant mit der Frage: "Wie viel Katholiken, Reformierte und Lutheraner hat Er in seiner Compagnie?" Der Gefragte nannte die Summen. — "Welchen Glauben hat Er?" — "Majestät, daß ich endlich Capitän mit entsprechenden Ein-fünften werde", antwortete schnell der Offizier. — "Mag sein — nur verleihe Er Niemand zu diesem Glauben", antwortete der König.

In einer Gesellschaft fragte, als bei Tische viel ange-stossen wurde, ein Gast seinen Nachbar: "Warum stößt man denn eigentlich mit dem Weine an?" "Das will ich Ihnen sagen", antwortete der Gefragte: "im Weine liegt Wahrheit, und mit der Wahrheit stößt man an!"

| VI.     | Katholischer und Evangelischer<br>Monat. Juni oder Brachmonat.  | Planetens-<br>Witter, n. d. 100j. Kal. | Mond-<br>Aufg. u. M. | Sonnen-<br>Aufg. u. M. | Anmerkungen.   |
|---------|---|--|----------------------|------------------------|--|
| 22.     | Pr. Das Reich Gottes inwendig im Menschen. Luk. 17, 20-30.<br>Kath. Wenn der Tröster ic. Joh. 15, 26. 27. u. 16, 1-4. (1. Petri 4, 7-11.) |  |                      |                        | Donner's im<br>Juni, so geräth<br>das Getreide. Wie<br>der Holde blüht,<br>so blühen auch die<br>Reben. Die Im-<br>men, so vor Jo-<br>hannit stossen, sind<br>die besten, nach<br>Johanni sind sie<br>gar nicht gut. —   |
| Sonnt.  | 1 E. Grand. Fortunatus  | ♂ als Abend-                           | 7. 16                | 10. 41                 | Donner's im<br>Juni, so geräth<br>das Getreide. Wie<br>der Holde blüht,<br>so blühen auch die<br>Reben. Die Im-<br>men, so vor Jo-<br>hannit stossen, sind<br>die besten, nach<br>Johanni sind sie<br>gar nicht gut. —   |
| Mont.   | 2 Erasmus, M. Chilem.   | ♂. 6. stern in größt.                  | 8. 21                | 11. 5                  | der Holde blüht,<br>so blühen auch die<br>Reben. Die Im-<br>men, so vor Jo-<br>hannit stossen, sind<br>die besten, nach<br>Johanni sind sie<br>gar nicht gut. —  |
| Dienst. | 3 Clotildis   | ♀ Ausw. v. ♂                           | 9. 28                | 11. 29                 | 7. 54  |
| Mittw.  | 4 Quirinus, Gasparius   | ♀ in ♂                                 | 10. 37               | 11. 50                 | Wenn der Wein-<br>stock im Vollmond  |
| Donn.   | 5 Bonifacius  | D 3,17n. Cō h                          | 11. 48               | 12. M.                 | blühet, so soll er<br>völlige Beeren be-<br>kommen. Am St.   |
| Freitag | 6 Norbertus, Weibert  | Cō 4. Cō h                             | M.                   | 0. 11                  | Johanni - Abend<br>soll man die Zwe-<br>beln legen.  |
| Samst.  | 7 Robert, Sebastian   | h Cō 6. 6. ♂                           | 2. 16                | 0. 32                  | Wie's wittert auf<br>Medardustag,<br>So bleibst 6 Wo-<br>chen lang dar-<br>nach.   |
| 23.     | Pr. Ausgieitung des heiligen Geistes. Apostelgeschichte 2, 1-18.<br>Kath. Wer mich liebt ic. Joh. 14, 23-31. (Apostelgeschichte 2, 1-11.) |  |                      |                        | Sonnjahr, Monn-<br>jahr, - Moth-<br>jahr.  |
| Sonnt.  | 8 E. Pfingst. Medardus  | D. 12 : uns. C8. I                     | 3. 36                | 0. 57                  | Wer auf Medardi-<br>baut,<br>Der kriegt viel<br>Flachs u. Kram.  |
| Mont.   | 9 2. Pfingst. Columbus  | 4. 6. Cō ♀                             | 4. 58                | 1. 25                  | Vor Johannistag,<br>Keine Kerze man<br>loben mag.  |
| Dienst. | 10 Onofrian, Marg. Mat.   | ♂ Aufg. 0, 30. v.                      | 6. 18                | 2. 1                   | Maß Pfingsten,<br>sette Weihachten.  |
| Mittw.  | 11 Quat. Barnabas   | U. Cē. R. Cō ♂                         | 7. 31                | 2. 48                  | Vor Johannistag,<br>Keine Kerze man<br>loben mag.  |
| Donn.   | 12 Basilides, Johann, F.  | 5, 51. v. I. ♂                         | 8. 33                | 3. 48                  | Wachjahr, - Moth-<br>jahr.   |
| Freitag | 13 Ant. v. Pad., Tobias   | ♂ ♂ h. ♂                               | 9. 21                | 5. 0                   | Binder im ♂  |
| Samst.  | 14 Anssinus, Eliseus, B.  | (8. Cō ♀                               | 9. 58                | 6. 19                  | geboren.<br>Hat dir schon bei<br>deiner Entstehung<br>dies Seichen Ge-<br>leichtet, so werden<br>dir Venige glei-<br>chen. Wenn du nur<br>Verstand hast, Ge-<br>dächtniß u. Wuth,<br>Auffrichtig zu thun,<br>was der Edle nur<br>thut, Das Laster<br>verabscheu'ß, die<br>Tugend nur liebst<br>Und so deinem<br>Glücke Beständig-<br>heit gibst. |
| 24.     | Pr. Mir ist gegeben alle Gewalt ic. Matth. 28, 18-20.<br>Kath. Splitter und Balken. Luk. 6, 36-42. (1. Joh. 4, 8-21.)                     |  |                      |                        | Lageordnungen  |
| Sonnt.  | 15 E. Preis. Vitus, Mod.  | d. 21. ♂ Abw. v.                       | 10. 28               | 7. 40                  | b. 1. 15 St. 49 M.   |
| Mont.   | 16 Justina, Ludg. Fr.   | Ueq. 23. 27. n.                        | 10. 53               | 8. 58                  | * 8. 15 * 59.  |
| Dienst. | 17 Hortensia, Botolf, R.  | ♂ ♂ 4. (2. u. ♂)                       | 11. 15               | 10. 12                 | * 15. 16 * 5.  |
| Mittw.  | 18 Marcellus, Arnolf  | Cō ♂, Cō                               | 11. 35               | 11. 24                 | * 22. 16 * 7.  |
| Donn.   | 19 Frohni. Kath. Feiert. G.   | G 3, 46. v., ♀ *                       | 11. 54               | 12. M.                 | * 29. 16 * 4.  |
| Freitag | 20 Sylverius Pr.  | G (Tag, S. Anf.                        | M.                   | 1. 41                  |  |
| Samst.  | 21 Albanus, Alloysius   | Di. 6 u. n., lgt.                      | 0. 16                | 2. 47                  |  |
| 25.     | Pr. Jesus segnet die Kindlein. Luk. 18, 15-17.<br>Kath. Vom großen Abendmahl. Luk. 14, 16-24. (1. Joh. 3, 13-18.)                         |  |                      |                        |  |
| Sonnt.  | 22 E. 1. Iustinus, Basil.   | ♀ Δ 4 un-                              | 0. 41                | 3. 52                  |  |
| Mont.   | 23 Edeltrud, Ag.  | Cō ♀ freund-                           | 1. 9                 | 4. 54                  |  |
| Dienst. | 24 Johann Täufer  | C im Erdferne. lich                    | 1. 42                | 5. 53                  |  |
| Mittw.  | 25 Eberhard, Eulog., Pr.  | U. Cō ♂                                | 2. 23                | 6. 47                  |  |
| Donn.   | 26 Joh. Paul, Jeremias  | C im ♀                                 | 3. 11                | 7. 33                  |  |
| Freitag | 27 7 Schläfer, Ladislaus  | 7, 28. v. uns. ♀                       | 4. 6                 | 8. 11                  |  |
| Samst.  | 28 Benjamin, Leo II. P.   | Cō ♀ (finst.                           | 5. 7                 | 8. 43                  |  |
| 26.     | Pr. Frei zu wählender Text.<br>Kath. Von den Schlüsseln des Himmelreichs. Matth. 16, 13-19.   | (Apostelg. 12, 1-11.)                  |                      |                        |  |
| Sonnt.  | 29 E. 2. Uef.-F. Petr. Paul   | ♀ Aufg. 1, 48. v.                      | 6. 12                | 9. 11                  |  |
| Mont.   | 30 Pauli Gedächtniß   | ♀ Utg. 11, 19. n.                      | 7. 19                | 9. 35                  |  |

Ein starker Weintrinker sagte neulich im Scherze: „Das ist doch sonderbar; ich trinke absichtlich  
nur weißen Wein, und bekomme doch eine rothe Rase.“

# Juni hat 30 Tage.

## Jahrmärkte.

1. Grombach. 10. Neckarelz.  
Malkemmer. Neubensau.  
2. Altkirch. Ruisloch.  
Karlsruhe, Mesi- Brüdt.  
se, 6 Tage. Börrheim.  
Oberbach, a. Wsl. Saargemünd.  
Gernsbach. Seelbach.  
Königsbach. Schaffhausen. †  
Kirchheim, u. Ld. † Schopfheim.  
Lorch. Solothurn.  
Reutstadt, i. Sch. † Stetten, a. Ld. †  
Rangendingen. Todtnau.  
Singen. † Truchessingen.  
Schiburg. Villingen, † auch  
Weißbadst.  
3. Giech.  
Gammendingen. † Gruchimarkt.  
Geisingen. † Worms, 3 Tage.  
Klosterwald. † Bell, a. Hamb. † 24. Vietingen, zugl.  
Langensteinbach. 11. Überach, i. Ldkh.  
Wertheim. Colmar.  
Ehingen, bei Badshut. † Ehingen, †  
St. Wendel. (Hs. u. Steinw.)  
4. Heubach. Steinbach, b. Wsl.  
Adolphzell. 12. Altenstaig.  
Steinheim, an d. Murr. Übersbach.  
5. Hüningen. † 13. Basel.  
Lyptingen. † 14. Weissenburg.  
Gulz, a. Neckar. † 15. Burladingen.  
zugl. Roßm.  
Waldshut. † 16. Altkirch.  
Alpirsbach † auch Hüningen. †  
Bierdermarkt. Marfori, a. Wsl.  
Borberg, † zugl. Memmingen.  
Hofmarkt. Riedlingen.  
Dürkheim. St. Märgen. †  
Germersheim. 16. Schramberg. † 25. Engkirch.  
Hochheim. Schiltgen. † 26. Becherbach. †  
Kehl, Stadt. Bell, b. Stadt. † Colmar.  
Lachingen. Habsheim. Dürrenz. †  
Langenan. 17. Bruchsal. St. Blasien. †  
Leinstetten. Hördten, b. Obb. † Grafenhausen. †  
Dehringen. Klei-Gartach. Psalzgrafenweis.  
Thann. Mönchweiler. Stockach. Uer.  
10. Achern, Markt. Thengen, Stadt. † 29. Annweiler.  
Augsburg, Woll. 18. Furtwangen. † Berg.  
Altheim. 19. Birkenfeld, im Besigheim.  
Bablingen. Schwarzw. † Dieringhen. †  
Bischofsb., a. D. Blumberg.  
Dautenzell. Hayingen.  
Groß-Laußen. 20. Waldkörn. 30. Haslach, Markt.  
burg. † 21. Birkenfeld. Heilbronn, Woll.  
Herbolzheim. Kirchheim, u. L., Hilsbach, b. Sos.  
Kabelburg. (Wollnachm.) Schönau, i. Wsl.  
Mößkirch. 22. Rödlingen, Schiltach.  
Renningen, b. W. (Wesse.) Böhrenbach. †  
Rümlingen. Bardenfelden. Wimpfen, i. Ldkh.

## Besondere Viehmärkte.

2. Haslach i. Nagk. 2. Börrheim. 3. Vietingen.  
Heitersch., i. Br. Sädingen. Kandet.  
Mößkirch. Börrheimbenths. Laht.



Erstes Viertel den 5. gewitterhaft, unsiet.

Böllmund den 12. erleidet eine unsichtbare Verflasterung und erregt Wind mit Gewölk.

Letzes Viertel den 19. unfreundliches Wetter.

Neumond den 27. verursacht eine unsichtbare Sonnenfinsternis und veränderliche Witterung.

3. Mannheim. 10. Eichstett. 16. Mühlheim.  
Memmingen. Kehl, † zugleich Bachsenheim.  
Schaffhausen. Schweinem. 17. Hasloch.  
Stodach. Rügelsheim. 18. Grünstadt.  
4. Grünstadt. 11. Billigheim, i. Pf. Birkenau.  
Datzenbach. Külsheim. Datzenbach.  
Kadolphsell. Bischofshelm. 19. Neuhausen, a. W.  
Schopfheim. 12. Eßlingen. a. Wohr-Schw.  
5. Gammendingen. Freiburg, i. Brsg. Wallenbach.  
Frankenthal. Höllingen. Zweibrücken.  
Oriessen, i. Klgg. Rastatt. 23. Durach.  
Gernsbach. Schönau, i. Wsl. Göschheim.  
Kehl, St. Schw. Sietbach, b. Wsl. 24. Weinheim.  
Zweibrücken. 16. Bruchsal. 25. Billigheim, i. Pf.  
9. Landau. Ettlingen. 26. Eichholzheim.  
10. Bretten. Lörrach.

## Feld- und Gartenbau.

Rüste Alles zur Heuer. Auf den Wiesen bessere Brüden und Wege aus. 14 Tage vor und 14 Tage nach der Heuer darf nicht gewässert werden. Das Gras ist reif, wenn die meisten Gräser vollständig blühen, später geschnitten wird das Heu strohig, krautlos und hart. In Feld und Garten ist jetzt fleißiges Hacken und Reihthalten eine Haupttache, selbst Möhren und dergleichen gedeihen nur gehackt und gejätet. Jahre fort Tabal zu sejen. Hacke und häuse Kartoffeln und Tabal. Beginne mit dem Kleemähnen, sobald der deutsche Klee blüht und die Luzerne frische Nette getrieben hat; siche den Klee rach zu trocknen, ohne viel zu wenden. Lege nochmals Welschorn Säe Buchweizen, Spinat, Kopfsalat, Gurken, dicke Bohnen, Erben, Winterrettig, gib den Bohnen Stangen, verpflanze Blumentohl, Kopfsohl, Majoran, Thymian, rothe Rüben, Dictrüben, Erdkohlraben und Kraut. Versche Winterzwiebeln, bunde Sommervenidien, durchdringt Gelbribben ic. wo sie zu bichten. Gieße am Abend, bringe bei nachhaltem Wetter Taubenmist an die Gurkenstände, die man in gewärmten Mistbeeten zieht. Schneide den Repps früh im Thau, damit er nicht aussäßt, behacke sogleich die darunter gejäteten Gelbribben. Behacke die Baumwolle. Nimm den Verband von Stämmchen, welche vor 4 Wochen ocultirt wurden. Bertlige Raupen. Bis Johanni ocultire aufs treibende Auge. Im Hopfengarten hacke, häusle und binden an. Im Weinberg brich unnütze Triebe aus, zu lange kürze ein. Den Bienenstand halte von Spinnweben rein, sasse die jungen Schwärme, mache Ableger. In der Seidenrauperei lege am Anfang des Monats die Seidenraupen zum Ausschlüpfen an warme, doch nicht von der Sonne beschienene Orte.

| VII.<br>Monat. | Katholischer und Evangelischer<br>Juli oder Heumonat. | Witter. n. d. 100j. Kal. | Planeten-Kant.   | Mond-<br>Aufg. u. M. | Sonnen-<br>Utrg. u. M. | Anmerkungen.  |
|----------------|---|--------------------------|------------------|----------------------|------------------------|---|
| Dienst.        | 1 Theobald, Simeon                                    |                          | ♀ in             | W.M. 4.              | 2. 8. 5                | Ist das Wetter  |
| Mittw.         | 2 Maria Heimsuchung                                   |                          | in größt. Entf.  | 9. 36. 10. 17.       | 4. 2. 8. 4             | drei Sonntage vor   |
| Donn.          | 3 Cornelius, Rufuska                                  |                          | ♀ ♂ ☽            | 10. 47. 10. 38.      | 4. 3. 8. 4             | Jakobi schön, so  |
| Freitag        | 4 Ulrich Bischof                                      |                          | 11. 25.n. (u. h) | W.M. 11. 1.          | 4. 4. 8. 4             | wird gut Korn ge-   |
| Samst.         | 5 Wendelin, Leonie, N.                                |                          | ♂ in             | 1. 18. 11. 27.       | 4. 5. 8. 4             | sägt, so es an-<br>hält: Regnet's, so                       |
|                |   |                          |                  |                      |                        | bringt's schlecht   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Korn hervor.  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Regnet's auf  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Jakobi, so sollen   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | die Eicheln ver-<br>derben.                                 |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Den Julius u.   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | August hat man  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | gern trocken und  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | warm, wovon man   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | sich einen guten  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Wein verspricht.  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Der Vormittag   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | des Jakobi-Tags   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | bedeutet die Zeit   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | vor Weihnachten,  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | und der Nachmit-<br>tag die Zeit nach                       |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Weihnachten, wo-<br>raus zu urtheilen,<br>wie die Witterung |
|                |   |                          |                  |                      |                        | sein möchte.  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Werkt das heran   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Gewitter zieh',   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Schnapp' auf der  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Welt nach Lust  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | das Vieh.   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Wer nicht geht mit  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | dem Rehen,  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Wenn die Fliegen  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | und Bremse  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | fiechen,  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Muß im Winter   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | gehn' mit dem   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Strohsatt'  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Und fragen: hat   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Niemand Heu   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | fell?   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Kinder im   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | geboren.  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Bist in des Löwen   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Zähnen du geboren   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | So liebe Wahrheit   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | und Gerechtigkeit,  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Sei stolz und be-<br>herzt, wie er, im                      |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Streit, jedoch gib  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | seinen Raum dem   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Zorn der Thoren;  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Arbeite treu im   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Amt, Beruf und  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Pflicht, Und trach-<br>te nach den großen                   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Ehren nicht.  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | Tageslänge  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | b. 6. 15 St. 58M  |
|                |   |                          |                  |                      |                        | * 13. 15 * 46 *   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | * 20. 15 * 33 *   |
|                |   |                          |                  |                      |                        | * 27. 15 * 16 *   |

In einer Zeitung las man folgende Todesanzeige: „Am zehnten dieses Monats nahm der siele Gott auf seiner Reise von Aachen nach Berlin meinen jüngsten Sohn an den Hähnen zu sich.“

# Juli hat 31 Tage.

Dampft das Strohdach nach Gewitterregen, lehrt's Gewitter wieder auf andern Wegen. — Dem Sommer sind Donnerwetter nicht Schwäche, sie nützen der Lust und dem Lande. — Merkt daß heran Gewitter steh' könapi ist der Wind nach Lust das Bieb, auch wenn's die Rägen aufwärts treckt und in die Höhe die Schwänze reckt. — Giebt Ring oder Hohlschall Sonn oder Mond bald Regen und Wind uns nicht verhindert. — Sommershödenraus in Menge ist Vorbot von Winterstrenge — Sünd Abends über Wies und Flug Nebel zu dauen, wird die Lust hörbar anhaltend Wetter brauen. — Staubregen wird guter Bote sein, schön trocken Wetter tritt dann ein.



Erstes Viertel den 4. bewirkt heiteren Himmel.

Vollmond den 11. erzeugt Gewitterluft.

Letztes Viertel den 18. bringt Gewitter und Regen.

Neumond den 26. heitert auf.

## Jahrmärkte.

- |                        |                         |                      |
|------------------------|-------------------------|----------------------|
| 1. Badenweller.        | 14. Obrigheim.          | 25. Buchen.          |
| Dallau.                | Osterburken.            | Grendenstadt. +      |
| Deisheim.†             | Dillingen.              | Krielsheim. + sgl.   |
| Steig.†                | Himbach.                | Kosheim.             |
| Zann.                  | Niedr.                  | Gonbelsheim.         |
| 2. Schwingen.          | 17. Nach.               | Grünstadt.           |
| 3. Mönschweiler.†      | Möllrich.               | Haylungen.           |
| 4. Nagzburg, Messe 19. | Oppenheim.              | Heldenheim.          |
| Gehringen.             | 21. Heschingen.         | Homburg v. d. H.     |
| Urberg.                | Möhringen, + a.         | Innertingen.         |
| Wolsach, i. Ktsh.†     | Schaf- u. Wehm.         | Kinsitten.           |
| 6. Frankenthal.        | Oberndorf, a. R.†       | Schiltach.           |
| 8. Berned, i. Schw.†   | Bräunlingen.†           | Staufsen, Std. +     |
| Bischofsb., a. d. L.   | Klein-Lautenb.†         | Tiefenbrenn.†        |
| Deitingen, b. Ol.      | Krautheim, auf'm        | Waldshut.†           |
| Hohenworf.             | Verg.                   | 26. Todimoos.        |
| Destingen, bei         | Marbach.                | Reutstadt, i. Schw.† |
| Bruchsal.              | Zweibrücken.            | St. Wendel.          |
| Solothurn.             | 24. Alttirch, i. Schw.† | 29. Tüllingen.       |
| Wahlung, a. d. E.      | Bonnorf.†               | Gessingen.†          |
| a. Bisch- u. Aschm.    | Thiengen, bei           | Strümfeldbr.         |
| 9. Kapellendorf.†      | Waldshut.†              | Villingen.†          |
| Oberschaffhausen.      | 25. Aalen.              | 30. Schriesheim.     |
| 10. Gemünden.†         | Asberg.†                | 31. Hüfingen.†       |
| Geldernach.†           | Wickensfeld.            | Waldkirch.           |

## Besondere Viehmärkte.

- |                   |                       |                      |
|-------------------|-----------------------|----------------------|
| 1. Gonbelsheim.   | 3. Kehl, S., Schw.    | 10. Hötzigen.        |
| Kandel.           | Zweibrücken.          | Königsbach, aus      |
| Langenbrücken,    | 7. Haslach.           | Pferdemarkt.         |
| ogl. Schweinem.   | Heiterheim, i. B.     | Rastatt.             |
| Mannheim.         | Möllrich.             | Schönau, i. Wth.     |
| Memmingen.        | Pforzheim.            | 14. Bretten.         |
| Schaffhausen.     | Södingen.             | Kandern.             |
| Schwingen.        | Wörterweidenth.       | Stühlingen.          |
| Stodach.          | 8. Goeheim.           | 15. Haßloch.         |
| 2. Engen.         | Külzheim.             | Kittlingen.          |
| Grünstadt         | Thiengen, bei B.      | zell, i. Wiesent.    |
| Duttenbach.       | 9. Billigheim, i. Pf. | 16. Bruchsal.        |
| Adolphzell.       | Bischofsheim a.       | Grünsadt.            |
| Schopfheim.       | b. Lauber.            | Hirmasens.           |
| 3. Emmendingen.   | Eitenheim.            | Huendenbach.         |
| Gernsbach.        | Külzheim.             | 17. Langensteinbach. |
| Frankenthal.      | 10. Essingen.         | Hörbach.             |
| Gressen, i. Elgg. | Freiburg, i. Brsg.    | Kotwill, a. Ktsh.    |

## Feld- und Gartenbau.

In diesem Monat geht gewöhnlich die Heuzeit zu Ende und die Getreideernte beginnt, für welche Alles gerichtet sein muß. Auf den Wiesen eben gleich nach der Heuernte die Fahrgleise aus, richte die Wässerungsgräbchen her und wässere — aber erst 14 Tage nach der Heuet, bei trockenem Wetter und nur des Nachts, nie bei heißem Sonnenchein. In Feld und Garten brachte die Hache fleißig Hacke und häufte Kartoffeln, Dictrüben, Möhren und Zabat. Gieße Dictrüben bei feuchtem Wetter mit Fauche. Bessere den Tabak aus, wo noch Stücke fehlen; klopfe und geize austrocknende Stücke. Bei gutem Wetter eile mit der Getreideernte, bei Regen stelle es auf Puppen, d. h. stelle 3—4 Garben aufrecht und spreize eine darüber; behacke und pfuhle sogleich die Stoppelnöhrnen, gipfe den Klee, fahre die leere Stoppel ungesäumt um und für die Nachfrucht, als Weizrüben, Widien, Grünsutterwelschlörn etc. Bereite das Feld zur Repissaat vor. — Nimm die Fähen vom Welschlörn. Brich die Gurken- und Melonenentriebe aus, damit sie reicher tragen. — Säe Endivien, Kreisse, Körbel, Helmatalat, Spinat, Erbsen und Bohnen, sehe Endivien, Rosen- und Winterlohl, nimm Sezzywiebeln aus und bewahre sie trocken auf. — Hacke und häufte fleißig an Gurken, Salat, Bohnen und Sellerie. Nimm den reisen Samen ab von Anis, Senf, Spinat, Schnittkohl, Erbsen, Körbel, Rapunzel, Haberwurzel, Rettig, Petersilien und Zwiebeln. — Pflange die leeren Stellen in Spargelbeeten nach. — An veredelten Bäumen schneide die wilden Triebe ab Nach warmen Regen Ende des Monats ocuileire auf's schlafende Auge. — Reife Kirchen und Sommerobst brich früh Morgens, noch vor dem starken Sonnenchein, weil sie schmackhafter bleiben. — Im Weinberg selige zum zweiten Mal und heile auf Beim Haden darf nicht zu weit vorgenommen werden, damit der Boden recht locker wird und die Sonne einwirken kann. — Im Vieen stande und sorge am heißen Mittag für Schatten, gib den Stöcken Aufsätze, damit die Bienen Raum zu neuer Arbeit bekommen; zapfe öfter Honig ab und vertauische die alten Honigfleiben mit leeren. — Die Seidenzucht fordert jetzt die meiste Sorgfalt, hüte dich vor Allem nasses Laub zu geben, trockne es vorher auf dem Speicher; Reinlichkeit und Füttern bei Tag und Nacht ist die Hauptpflicht. Je anhaltender sie gefüttert werden, desto rascher verpuppen sie sich, je schneller sie sich verpuppen, desto mehr Seide geben sie.

| VIII.   | Katholischer und Evangelischer<br>Monat. | August od. Erntemonat.  | Planeten-Satz.           |   | Mond- | Sonnen- | Anmerkungen. |       |  |  |
|---------|--|---|--------------------------|---|-------|---------|--------------|-------|--|--|
|         |  |   | Witter. n. d. 100j. Kal. |   | Aufg. | Utrg.   | Afg.         | Utg.  |  |  |
|         |  |   |                          |   | u. M. | u. M.   | u. M.        | u. M. |  |  |
| Freitag | 1  | Petri Kettenfeier   | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | Aufg. 10, 0. n.                           |       |         |              |       |  |  |
| Samst.  | 2  | Portiunk., Gust., R.  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | Aufg. 10, 0. n.                           |       |         |              |       |  |  |
| 31.     | Br.                                      | Die Jünger wollen Feuer vom Himmel fallen lassen. Luk. 9, 51-62.<br>Kath. Vom ungerechten Hausthalter. Luk. 16, 1-9. (Röm. 8, 12-17.) |                          |   |       |         |              |       |  |  |
| Sonnt.  | 3  | E. 7. Joh. Step. Erf.   | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | 5, 30. v.                                 |       |         |              |       |  |  |
| Mont.   | 4  | Dominikus   | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ♀ * ♀ ge-                                 |       |         |              |       |  |  |
| Dienst. | 5  | Oswald, Maria Schnee  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ witterh.                            |       |         |              |       |  |  |
| Mittw.  | 6  | Dirtus, Verklär. Christi  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                                  |       |         |              |       |  |  |
| Domn.   | 7  | Astra, Donat. Raj. Ulr.   | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                                  |       |         |              |       |  |  |
| Freitag | 8  | Weinhard, Cyriakus  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ Aufg. 8, 57. n.                  |       |         |              |       |  |  |
| Samst.  | 9  | Romanus, Crisus   | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ Aufg. 10, 27. n. ♀ □ ♀           |       |         |              |       |  |  |
| 32.     | Br.                                      | Die Gesunden bedürfen des Arztes nicht. Luk. 5, 27-39.<br>Kath. Jesus weint über Jerusalem. Luk. 19, 41-47. (1. Kor. 10, 6-13.)       |                          |   |       |         |              |       |  |  |
| Sonnt.  | 10                                       | E. 8. Laurentius  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | Zahlreiche Sternschnuppen                 |       |         |              |       |  |  |
| Mont.   | 11                                       | Ignatius, Gus. Lib.   | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                                  |       |         |              |       |  |  |
| Dienst. | 12                                       | Clara, Adele  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                                  |       |         |              |       |  |  |
| Mittw.  | 13                                       | Hippolit, Cassi. Conc.  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                                  |       |         |              |       |  |  |
| Domn.   | 14                                       | Dummel, Euseb.  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                                  |       |         |              |       |  |  |
| Freitag | 15                                       | Mario Himmelf. a. g.  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ Aufg. 8, 25. n.                  |       |         |              |       |  |  |
| Samst.  | 16                                       | Jod. Rochus, Hyacinth.  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                                  |       |         |              |       |  |  |
| 33.     | Br.                                      | Jesus der Weinstock. Job. 15, 1-14.<br>Kath. Vom Pharäser und Söllner. Luk. 18, 9-14. (1. Kor. 12, 2-11.)                             |                          |   |       |         |              |       |  |  |
| Sonnt.  | 17                                       | E. 9. Liberatus, Ver.   | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ Aufg. 10, 22. v.                 |       |         |              |       |  |  |
| Mont.   | 18                                       | Agapitus, Helene  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ in Erd.                          |       |         |              |       |  |  |
| Dienst. | 19                                       | Sebaldus, Ludovicus   | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ in Erd.                          |       |         |              |       |  |  |
| Mittw.  | 20                                       | Bernhardus  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ in Erd.                          |       |         |              |       |  |  |
| Domn.   | 21                                       | Privatus, Franz. H.   | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ regen                            |       |         |              |       |  |  |
| Freitag | 22                                       | Syphorian, Timothe.   | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ Aufg. 19, 1-8. ♂ ♂ ♂             |       |         |              |       |  |  |
| Samst.  | 23                                       | Philippus, Zachäus  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ Aufg. 20, 1-8. ♂ ♂ ♂             |       |         |              |       |  |  |
| 34.     | Br.                                      | Martha und Maria. Luk. 10, 38-42.<br>Kath. Tauber und Stummer. Marc. 7, 31-37. (1. Kor. 15, 1-10.)                                    |                          |   |       |         |              |       |  |  |
| Sonnt.  | 24                                       | E. 10. Bartholomäus   | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ Aufg. 10, 7. n.                  |       |         |              |       |  |  |
| Mont.   | 25                                       | Ludwig  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ Aufg. 10, 14. v.                 |       |         |              |       |  |  |
| Dienst. | 26                                       | Severus, Zephir. G.   | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ Aufg. 10, 14. v.                 |       |         |              |       |  |  |
| Mittw.  | 27                                       | Gebhard, Joz.   | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ Aufg. 10, 14. v.                 |       |         |              |       |  |  |
| Domn.   | 28                                       | Augustinus  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ Aufg. 10, 14. v.                 |       |         |              |       |  |  |
| Freitag | 29                                       | Joh. Enthauptung  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ Aufg. 10, 44. n.                 |       |         |              |       |  |  |
| Samst.  | 30                                       | Felix, Adolf, Rosa  | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ Aufg. 10, 44. n. D 27. Ost. Ende |       |         |              |       |  |  |
| 35.     | Br.                                      | Liebe des Feindes. Matth. 5, 43-48.<br>Kath. Barmherziger Samariter. Luk. 10, 23-27. (2. Kor. 3, 4-9.)                                |                          |   |       |         |              |       |  |  |
| Sonnt.  | 31                                       | E. 11. Rebekka, Raym.   | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂                 | ⌚⌚ ♂♂ ♂♂ Aufg. 2, 52. v.                  |       |         |              |       |  |  |

# August hat 31 Tage.

Der Sichel vergiebt nicht Barnabas, er  
sorgt gern für's lange Gras. — Ist's  
in der ersten Augustwoche heiß, bleibt der  
Winter lange weiß. — Im August Wind  
aus Nord, jagt Unbeständigkeit fort. —  
Mehltau im August ist sehr ungünstig,  
ungereinigt Obst bringt nicht in den Mund.  
Wenn der Auctus lang nach Johanni  
schreit, so ruft er die thure Zeit. — Sind  
Laurentius und Bartholomäus schön, ist  
guter Herbst vorauszuehn. — Schön  
Wetter zu Maria Himmelfahrt, verflüchtigt  
Wein von bester Art. — Wenn großzügig  
wie viele Disteln erblicken, will  
Gott gar guten Herbst uns schicken. —  
Bringt Rosamunde Sturmewind, so ist  
Sibylle uns gelind.



**Erstes Viertel den 3.**  
bringt Gewitter u. Regen.

**Bollmond** den 9. ist von  
sonnigen Tagen begleitet.

**Dektes Viertel den 17.**  
lässt Regen befürchten.

**Neumond** den 25. meist  
regnerisch.

## Jahrmärkte.

|   |   |
|---|---|
| 1. Heppenheim.                            | 18. Ladenburg (zgl. 25. Hornberg. + Gespinnseim.) |
| 3. Kaiserslautern.                        | Großauensee. +                                    |
| 5. Bergzabern.                            | Niedarz.  |
| Thach.                                    | Sinsheim.   |
| Walterdingen.                             | Oberndorf. a. M. +                                |
| 6. Wolfach. i. Esg. +                     | Stühlingen. +                                     |
| 7. Oberkirch.                             | Kittlingen. +                                     |
| 10. Heilbronn, Nef.<br>Kirchheimboland.   | Klosterwald. +                                    |
| 11. Ehrenstetten. +<br>Griesen. i. Esg. + | Lahr. +   |
| Mainz, Neße,<br>14 Tage.                  | Pirmasens. +                                      |
| Durbau.                                   | Obertal.  |
| St. Märgen, +                             | Oppenau.  |
| (zugl. Gartern.)                          | Oppenau.  |
| Schramberg. +                             | Oppenau.  |
| Ehann.                                    | Oppenau.  |
| Weinheim.                                 | Oppenau.  |
| Weisloch.                                 | Oppenau.  |
| 12. Durlach.                              | Durlach.  |
| Lentingen. +                              | Münchingen.                                       |
| Solothurn.                                | Höllbrunn.  |
| Wolfersweiler.                            | Oppenau.  |
| 13. Bretten.                              | Oppenau.  |
| 14. Abelsheim.                            | Oppenau.  |
| Bühl.                                     | Oppenau.  |
| Weisloch. +                               | Oppenau.  |
| 16. Todtnau.                              | Oppenau.  |
| 17. Gernsbach.                            | Oppenau.  |
| Offenbach. i. Esg.                        | Oppenau.  |
| Schelkhardt.                              | Oppenau.  |
| 18. Gernsbach.                            | Oppenau.  |
| Güglingen.                                | Oppenau.  |

## Besondere Viehmärkte.

|                     |                 |                        |
|---------------------|-----------------|------------------------|
| 4. Engen.           | 5. Stockach.    | 12. Bühl.              |
| Haslach i. Esgth.   | 6. Grünstadt.   | Ebenseim.              |
| Heitersheim. i. Br. | Quirnbach.      | Mannheim.              |
| Möckrich.           | Radolfzell.     | Rülpheim.              |
| Börrishem.          | Schaffhausen.   | 13. Billigheim, i. Pf. |
| Säckingen.          | 7. Emmendingen. | 14. Esslingen.         |
| Bordertweltsh.      | Frankenthal.    | Freiburg, i. Brsg.     |
| 5. Vichtheim.       | Leib, S., Schw. | Öllingen.              |
| Kandet.             | Buelbrücken.    | Oberkirch.             |
| Memmingen.          | 11. Bretten.    | Schönau, i. Br.        |
| Schaffhausen.       | Kandern.        | 18. Ettlingen.         |

|                    |                     |                                     |
|--------------------|---------------------|-------------------------------------|
| 18. Müllheim.      | 20. Pirmasens.      | 26. Bischofsheim, an<br>Wachenheim. |
| 19. Gernsbach.     | 21. Lörrach.        | 27. Steinbach, b. Brsg.             |
| Hasloch.           | Steinbach, b. Brsg. | Sinsheim.                           |
| Kusel.             | Buelbrücken.        | 28. Dillingheim, i. Pf.             |
| Ladenburg.         | 25. Bruchsal.       | Donaueschingen.                     |
| Zell, i. Wiesenth. | Durlach.            | 29. Dürrenzimm.                     |
| 20. Grünstadt.     | 26. Rastatt.        | Eppingen.                           |

## Feld- und Gartenbau.

Zum Samendreschen benötige die vollkommenste Frucht. Verlämme nicht, reise Äpfel und Birnen zu dörren, ebenso Steinobst. Beim Dörren im Backofen bringe das Obst erst ein, wenn er nicht mehr zu heiß ist, öffne alle Stunde einen Augenblick, daß die feuchte Luft wechselt, wird der Sonn zu salzig, so nimm das Obst heraus und heize ihn leicht wieder auf. — Auf den Wiesen wässere nur bis 14 Tage vor der Dehnrinde und nur bei trübten Tagen oder bei Nacht, nur mit hellem Wasser und nie bis über die Graspitzen. Kannst du schon im August das Dehni ernten, so ist es der Wiese sehr gut, wat das Dehni kommt besser beim. — Feld und Garten. War ein futterarmer Sommer, so eile, daß du Weizgräben in die Stoppel bringst, pflücke den ungekleimten Samen und streue etwas Salat- und Rapsfamen gegen den Erdloch ein. Säe Wicken, Buchweizen und Weißschorf zu Grünfutter, lege auch Weißschorn zwischen Weizgräben. — Nimm den zweiten Krebschnitt. — Auf Sandböden und in Spelz- und Weizenfeldern für die lösliche Gerste säe Wicken und Buchweizen zu Grünfutter. — Mit dem Köhren und Geizen des Tales fahre fort, für Pfeifengut läßt höher, für Deckblatt auf 8—12 Blätter, aber nur bei großer Sonnenhitze, wenn die Blätter well sind. Zuweilen tritt schon die Labatsünde ein, das Pfeifengut ist reif, wenn die Blätter fast ganz gelb geworden, das Deckblatt, wenn es aufsägt gelbe Flecken zu bekommen. Die gebrochenen Blätter fasse nicht zwischen die Knien, sondern lege groß und klein, unbeschädigte und zerstreut beiderseits sortirt neben die Stöcke. Breche nur wenn der Thau weg ist und die Blätter von der Trockenheit schlaff sind. — Endete Mohr, semle Hans, rause Flachs, herbst die Hopfen. Säe Raps, Roggen, namentlich Grünfutterroggen recht früh. Wintererdbeeren unter Abgängen gibst treffliches Futter. — Samen wird aufgenommen von Möhren, Pastinaken, Petersiliene, Pfefferkraut, Sellerie, Blumenlohl, Petrig, Kresse, Spinat, Thymian, Majoran, Schwarzwurzeln, Erbsen, und Knoblauch. — Für den Winter säe Spinat, Möhren, Kresse, Körbel Blumentohl, Schnittlohl, Radieschen, Endivien, Winterfritat. —

| IX.   | Katholischer und Evangelischer | Planeten-Satz.           | Mond-  | Sonnen- | Anmerkungen. |  |
|---|--------------------------------|--------------------------|--------|---------|--------------|--|
| Monat.  | September, Herbstmonat.        | Witter. n. d. 100j. Kal. | Aufg.  | Untrg.  | Afg.         | Utg.   |
| u. M.   | u. M.                          | u. M.                    | u. M.  | u. M.   | u. M.        |  |
| Mont.   | 1 Egidius, Verena, Ab.         | 10, 50. v.               | M. 5.  | 18      | 6. 41        | Donnerts in diesem Monat, so solls auf's folgende Jahr viel Obst u. Getreide geben.      |
| Dienst.   | 2 Veronika, Steph., A.         | Ci. Erdn.,               | 2. 52  | 11. 16  | 5. 19        | Wie der Hirsch um Egidi in die Brunnentritt, so tritt er nach vier Wochen wieder heraus. |
| Mittw.  | 3 Theodosia, Eph., M.          | 8 ♂ ♂ ♂ (im ♂)           | 3. 42  | B.M.    | 5. 20        | 3. 37  |
| Donn.   | 4 Esther, Rosalia, Moses       | [D. 2.: ♂ retr.]         | 4. 22  | 0. 27   | 5. 22        | 6. 35  |
| Freitag   | 5 Bertinus, Laurent. J.        | ♂ Aufg. 8, 0. n.         | 4. 55  | 1. 43   | 5. 23        | 6. 33  |
| Samst.  | 6 Victor Magn., Zach.          | ♀ Δ ♂, C ♂ ♀             | 5. 22  | 3. 1    | 5. 25        | 6. 31  |
| 36. Pr. Von den anvertrauten Gentnern (Talenten). Matth. 25, 14-30.<br>Kath. Behn Aussäige. Luk. 17, 11-19. (Gal. 3, 16-22.)  |                                |                          |        |         |              |  |
| Sonnt.  | 7 C. 12. Regina                | ♀ in ♀, ♀ * ♂            | 5. 45  | 4. 18   | 5. 26        | 6. 29  |
| Mont.   | 8 Mariä Geburt.                | 8, 31. v.                | 6. 7   | 5. 33   | 5. 27        | 6. 27  |
| Dienst.   | 9 Geburtsd. Grosh.             | ♀ ♀ ♀, C                 | 6. 28  | 6. 46   | 5. 29        | 6. 25  |
| Mittw.  | 10 Othgerus, Nicastus, J.      | (♂ ♀, ♂ ♀, ♂ ♂)          | 6. 50  | 7. 58   | 5. 30        | 6. 23  |
| Donn.   | 11 Feliz, R., Christm., Th.    | C ♂ ♂ sonnig             | 7. 14  | 9. 8    | 5. 32        | 6. 21  |
| Freitag   | 12 Dyrus, Guido, Tob.          | ♂ Aufg. 9, 50. n.        | 7. 42  | 10. 15  | 5. 33        | 6. 18  |
| Samst.  | 13 Hector M., Matern.          | ♂ □                      | 8. 16  | 11. 19  | 5. 34        | 6. 16  |
| 37. Pr. Christus und die Sünderin. Luk. 7, 36-50.<br>Kath. Niemand kann zwei Herren dienen. Matth. 6, 24-33. (Gal. 5, 16-24.)   |                                |                          |        |         |              |  |
| Sonnt.  | 14 C. 13. † Erhöhung           | ♀ in ♀ (♂ ♂)             | 8. 56  | 0. 18   | 5. 36        | 6. 14  |
| Mont.   | 15 Nicodemus, Roger            | Ci. Ef. im ♂, C          | 9. 43  | 1. 12   | 5. 37        | 6. 12  |
| Dienst.   | 16 Cornelius, Joel, Euph.      | 4, 56. v.                | 10. 36 | 1. 59   | 5. 39        | 6. 10  |
| Mittw.  | 17 Quat. Lambert, Fr.          | ♀ ♂ dilig. 6, 43. n.     | 11. 35 | 2. 40   | 5. 40        | 6. 8   |
| Donn.   | 18 Rosa, Richard, Titus        | ♀ ♂ ♂ nebel              | B.M.   | 3. 14   | 5. 42        | 6. 6   |
| Freitag   | 19 Iannarius, Constanzia       | ho                       | 0. 40  | 3. 42   | 5. 43        | 6. 4   |
| Samst.  | 20 Tobias, Gustach., F.        | [b. 23.: C ♂ ♂]          | 1. 48  | 4. 7    | 5. 45        | 6. 2   |
| 38. Pr. Jesus am Gotteslasten. Mark. 12, 38-44.<br>Kath. Jungling zu Ratn. Luk. 7, 11-16. (Gal. 5, 25. 26. u. 6, 1-10.)   |                                |                          |        |         |              |  |
| Sonnt.  | 21 C. 14. Matthäus Ev.         | ♀ Δ ♂ regen              | 2. 57  | 4. 30   | 5. 46        | 5. 59  |
| Mont.   | 22 Morib, Land.                | C ♂ ♀ Tag-               | 4. 8   | 4. 53   | 5. 47        | 5. 57  |
| Dienst.   | 23 Hercules, Linus, Th.        | 9, 31. n. u. Nachgl.     | 5. 22  | 5. 16   | 5. 49        | 5. 55  |
| Mittw.  | 24 Robert, Mar. M., Gerh.      | C ♂ ♀ Herbst-Anf.        | 6. 38  | 5. 41   | 5. 50        | 5. 53  |
| Donn.   | 25 Cleophas, Joseph v. C.      | U.v. Aeg. 0° 51' f.      | 7. 55  | 6. 8    | 5. 52        | 5. 51  |
| Freitag   | 26 Cyprian, Thom. v. B.        | [b. 25.: C ♂ ♀]          | 9. 13  | 6. 40   | 5. 53        | 5. 49  |
| Samst.  | 27 Cosmus, Damian              | Ci. E.R., ♂ retr.        | 10. 30 | 7. 20   | 5. 55        | 5. 47  |
| 39. Pr. Petrus heilt einen Lahmen. Apostelgeschichte 3, 1-19.<br>Kath. Vom Wassersüchtigen. Luk. 14, 1-11. (Eph. 3, 13-21.)   |                                |                          |        |         |              |  |
| Sonnt.  | 28 C. 15. Wenzeslaus           | ♀ in ♀ heiter            | 11. 43 | 8. 11   | 5. 56        | 5. 44  |
| Mont.   | 29 Michael                     | Ci. ♂ ♂ C                | 9. 41  | 9. 11   | 5. 57        | 5. 42  |
| Dienst.   | 30 Ursus, Hieronim., S.        | 4, 44. n. (♂ ♂)          | 1. 41  | 10. 19  | 5. 59        | 5. 40  |
| Ein österreichischer Lieutenant ließ aus Versehen seine Uhr vom Dampfschiffe aus ins Wasser fallen. Sogleich machte er mit Kreide einen Strich auf's Geländer, an dem er eben stand. — Beim Landen sagte er zum Kapitän des Schiffes: „Sogen's, losse'n's doch mal nach fischen im Wasser, dort wo i' g'macht a Strich, ist mir holt mein Uhr h'nein gefallen.“ |                                |                          |        |         |              |  |
| Lageslänge<br>v. 7. 13 St. 3 M.<br>+ 14. 12 + 38 +<br>+ 21. 12 + 13 +<br>+ 28. 11 + 48 +  |                                |                          |        |         |              |  |



# September hat 30 Tage.

## Jahrmärkte.

|                     |                            |
|---------------------|----------------------------|
| 1. Brädenheim.      | 15. Diez.                  |
| Engen. †            | Hilsbach, b. Solingen. †   |
| Kabelburg.          | Kipptingen. †              |
| Kusel. †            | Lorch.                     |
| Mersburg.           | Mössbach.                  |
| Odenheim.           | Mottewil.                  |
| Ahnenabern.         | St. Blasien, fr. Schwarzw. |
| 3 Tage.             | Siegenbach.                |
| Bailebach.          | Sell, a. Hörnb.            |
| Waldstadt.          | 16. Badnang. †             |
| Burgzach, Messe.    | Göschwitz. †               |
| 2. Dörblingen, bei  | Geldrennen. †              |
| Neuburz. †          | Hohenstaufen.              |
| Oberjettingen.      | Kürnbach, b. Brt.          |
| Oberlenningen.      | Langenbrücken.             |
| Stetten, a. L.M. †  | Offenburg, 2 Tg.           |
| 3. Furtwangen. †    | Solothurn.                 |
| Quirnbach. †        | Waldshut. †                |
| 4. Badenweiler.     | 17. Golmar.                |
| Grzingen, im        | Börrach.                   |
| Klegau. †           | 18. Hayingen.              |
| Mühlberg.           | Wüfflingen.                |
| Sulz, a. Ned. †     | 19. Basel, Messe.          |
| 19. Sulz, a. Ned.   | 20. Ingolsthal, b.         |
| 21. Rossmarkt.      | Bruchsal.                  |
| 5. Scherbach. †     | Weissenburg.               |
| 6. Königsweiler. †  | 21. Bretzach.              |
| 7. Überweiler.      | Diemingen.                 |
| Deidesheim.         | Ettenheim. †               |
| Harmersbach,        | Haigerloch. [ster.         |
| Thal.               | Heddesheim.                |
| Ibbesheim, 3 T.     | Herrnals. †                |
| Kambshem.           | Landau.                    |
| 8. Külsheim.        | Mengingen, bei             |
| Medesheim.          | Bretten.                   |
| Mettingen.          | Schwenningen. †            |
| Steinwenden.        | Sielheim, a. b.            |
| Thann.              | Weyl. [Murr.               |
| Wolfersweiler.      | Wülgartswiesen,            |
| St. Wendel.         | 2 Tage.                    |
| Baisenhausen.       | 22. Aglasterhausen.        |
| 9. Altenstadt.      | Auggen.                    |
| Bistesheim.         | Constance, Messe.          |
| Großingersheim      | 14 Tage.                   |
| Pfirt.              | Oppenheim.                 |
| Schliengen.         | Edingen, Stadt.            |
| Lodmoos.            | Leipzig, Messe.            |
| 11. Singen. †       | Groß-Lausfen-              |
| 14. Brünningheim.   | burg. †                    |
| Burladingen.        | Mannheim, Ned.             |
| Germersheim.        | Mudau.                     |
| Gremsheim.          | Oberndorf, am              |
| Inneringen.         | Nedar. †                   |
| Mutterstadt.        | Saargemünd.                |
| Mülhausen.          | Seelsbach.                 |
| Offnadingen.        | Überberg.                  |
| 15. Alzey, 2 Tage.  | Zütingen, bei              |
| Bischofsch. a. Ned. | Waldshut. †                |
|                     | Sulzbach.                  |
|                     | Ehingen, Stadt. †          |
|                     | Trostkloster.              |
|                     | Ulm, b. Oberkirch          |
|                     | 23. Balingen.              |
|                     | Galw.                      |
|                     | Darmstadt.                 |
|                     | Villingen. †               |
|                     | Wenighim, 3 Tg.            |
|                     | Zweibrücken.               |

## Besondere Viehmärkte.

|                       |                    |                |
|-----------------------|--------------------|----------------|
| 1. Haslach, f. Ksgth. | 1. Vorberwehnen. † | 2. Stodach.    |
| Kirchheim, u. Z.      | 2. Kandl.          | 3. Grünsstadt. |
| Möslach.              | Mannheim.          | Quirnbach.     |
| Worxheim.             | Memmingen.         | Radolfzell.    |
| Säckingen.            | Schaffhausen.      | Schopfheim.    |



Erstes Viertel den 1.

mehr naß als trocken.

Vollmond den 8. meist sonnige Tage.

Letzes Viertel den 16. zu Regen geneigt.

Neumond den 23. bewirkt heitern Himmel.

Erstes Viertel den 30. wechselt mit Nebel und Sonnenschein.

|                      |                         |                          |
|----------------------|-------------------------|--------------------------|
| 4. Emmendingen.      | 11. Königshof, zgl. 17. | Quirnbach.               |
| Frankenthal.         | Pferdemarkt.            | Wössingen.               |
| Gernsbach.           | Rastatt.                | Wonnendorf.              |
| Griesen, i. Ligg.    | Schönau, i. Wib.        | Kürnbach, b. Brt.        |
| Kehl, St., Schw.     | Walting, a. d. G.       | Körtrach.                |
| Zweibrücken.         | zugl. Rößm.             | Neuhäusen, b. Pf.        |
| 5. Sulz, a. R. Schw. | 15. Ettlingen.          | a. Pf. u. Schw.          |
| 8. Stühlingen.       | Langenbrücken.          | Zweibrücken.             |
| 9. Bretten.          | Mülheim.                | 19. Mötzingen.           |
| Gesheim.             | Wachenheim.             | 21. Albstadt.            |
| Külsheim.            | Well, die Stadt.        | 22. Durlach.             |
| Külsheim.            | 16. Haßloch.            | 23. Kusel.               |
| Weinheim.            | Schaffhausen.           | Reichartmund.            |
| 10. Villigst. i. Pf. | Zell, i. Wiesenth.      | Schwäbingen.             |
| Kandern.             | Bruchsal.               | 24. Villigstheim, i. Pf. |
| 11. Esslingen.       | 17. Ettenheim.          | 25. Dürrenz.             |
| Freiburg, i. Brsg.   | Grünsstadt.             | 26. Lichtenau, 2 Tge.    |
| Hilzingen.           | Hirmasens.              |                          |

## Feld- und Gartenbau.

Mit Dören und Mosten des Obstes fahre fort, vorsichtig gebrochenes Obst lege auf trockne Speicher oder in Kammern auf Stroh. — Sortire den Flachs nach Länge und Stärke, haue die Wurzeln ab, reinige die Rösti gruben, röste vorsichtig. — Auf den Wiesen bereite sogleich nach der Dehnternde die Schleusen und Wassergräben vor, reinige sorgfältig alle Abzüge. — In Feld und Garten sind Hafer, Erbsen, Linsen, Widen, Hirsen, Buchweizen, Tabat, Hopfen und Kartoffeln zu ernten. Zu säen sind: Winter- torn, Winterwaizen, Spelz, Einkorn, Spinat, Körbel, Peterstille, Winterkopfsalat, Gelbrüben, Wirsing, Kohlraben und Monatrettig. — Säe Repps in Reihen, damit er sich besser bestickt; behache Weißrüben, bindje Endivien; schneide gelbe Spargelstengel ab, zertheile und stecke Winterzwiebeln, Knoblauch und Schalotten. Rimm reife Kürbisse und Sommerkürbisse ab; sammle reife Samen. — In der Baumschule bereite frische Samenbeete zu; grabe Baumlöcher zum Versezien. Erzeuge schlechte Baumstäbe und schwache Bänder, ehe die Stürme kommen. — Begieße bei trockenem Wetter von jetzt an nur am Morgen. — Weinberg und Keller. Beim Laubbrechen gehe nicht zu weit, denn die Blätter helfen auch zur Reife. Schlechte und unfruchtbare Stöcke zeichne aus, damit sie später entfernt werden können. Sorge für Reparatur der Fässer, Bütteln und Standen. Im Bienenstand nimm die Auffäße auf den Stöcken ab, schneide bei tühllem Wetter die Stöcke aus, vereinige zu leichter Stöcke.

Hast du deine Pflicht gehan? Dann sei alles Necken, Kräcken. Auch für heute abgethan!



| X.   | Atholischer und Evangelischer | Planeten-Sonst.          | Mondaufg.           | Sonnen-Utrg.                               | Anmerkungen.  |
|--|-------------------------------|--------------------------|---------------------|--|---|
| Monat.   | October od. Weinmonat         | Witter. n. d. 100j. Kal. | U. M.               | U. M.                                      |   |
| Mittw.   | 1 Nemigins, Ver.              |                          | 20                  | 0 5. 38                                    | Wie in diesem Monat die Witterung ist, wird sie auch im März sein.  |
| Donn.  | 2 Geodegarins, Theoph.        |                          | 2. 58               | 2 5. 36                                    | Ist dieser Monat teilt, so giebt's im folgenden Jahr wenig Räupen.  |
| Freitag  | 3 Incretia, Fairus, Cand.     |                          | 3. 25               | 4 6. 3 5. 34                               | Um Gallustag erwartet man noch einen Nachsommer. Wenn Gallius den Buiten trägt, ist's ein böser Zeichen für den Wein.   |
| Samst.   | 4 Franziskus                  |                          | 3. 48               | 4 6. 5 5. 32                               | So die Eichbäume viel Eicheln tragen und das Laub nicht gern von den Bäumen fällt, folgt ein kalter Winter. Um diese Zeit soll man die Raupennester verbrennen. Fällt der erste Schnee in Dresd. wird der Winter ein Ged. |
| 40. Pr. Die Apostel vor Gericht. Apostelgeschichte 4, 5-21.<br>Kath. Vom größten Gebot. Matth. 22, 35-46. (Ephes. 4, 1-6.)   |                               |                          |                     |  | Auf Sankt Galenstag den den Buiten trägt, ist's ein böser Zeichen für den Wein.   |
| Sonnt.   | 5 C. 16. Constanz, Platz      |                          | 4. 9                | 3 18 6. 6 5. 30                            | So die Eichbäume viel Eicheln tragen und das Laub nicht gern von den Bäumen fällt, folgt ein kalter Winter. Um diese Zeit soll man die Raupennester verbrennen.   |
| Mont.  | 6 Angela, Bruno, Tib.         |                          | 4. 30               | 4 30 6. 8 5. 28                            | Fällt der erste Schnee in Dresd. wird der Winter ein Ged.   |
| Dienst.  | 7 Juditha, Amalia             |                          | 4. 53               | 5 41 6. 9 5. 26                            | Auf Sankt Galenstag den den Buiten trägt, ist's ein böser Zeichen für den Wein.   |
| Mittw.   | 8 Pelagius, Ammon, Br.        |                          | 5. 18               | 6 50 6. 11 5. 24                           | Die Bäume sind sehr kahl, so wie die Menschen im Winter.  |
| Donn.  | 9 Dionysius, Abraham          |                          | 5. 45               | 7 58 6. 12 5. 22                           | Der Winter ist sehr kalt und schneit viel.  |
| Freitag  | 10 Gideon, Franz Borgia       |                          | 6. 16               | 9. 4 6. 14 5. 20                           | Der Winter ist sehr kalt und schneit viel.  |
| Samst.   | 11 Burkhard, Plac. Emil       |                          | 6. 53               | 10. 6 6. 15 5. 18                          | Der Winter ist sehr kalt und schneit viel.  |
| 41. Pr. Stephanus, der erste Blutzeuge. Apostelgeschichte 7, 55-59.<br>Kath. Vom Gloriosen. Matth. 9, 1-8. (1. Kor. 1, 48.)  |                               |                          |                     |  |   |
| Sonnt.   | 12 C. 17. Pantalus, W.        |                          | 7. 37               | 11. 2 6. 17 5. 16                          | Der Winter ist sehr kalt und schneit viel.  |
| Mont.  | 13 Colmanns, Eduard           |                          | 8. 27               | 11. 51 6. 18 5. 14                         | Auf Sankt Galenstag den den Buiten trägt, ist's ein Ged.  |
| Dienst.  | 14 Calixtus                   |                          | 9. 24               | 9. 20 6. 20 5. 12                          | Der Winter ist sehr kalt und schneit viel.  |
| Mittw.   | 15 Theresia, Aurelia          |                          | 10. 25              | 1. 10 6. 21 5. 10                          | Der Winter ist sehr kalt und schneit viel.  |
| Donn.  | 16 Gallus Abt                 |                          | 11. 30              | 1. 41 6. 23 5. 8                           | Der Winter ist sehr kalt und schneit viel.  |
| Freitag  | 17 Lucia, Hedwig, Fl.         |                          | 12. 2. 8 6. 25 5. 6 | Der Winter ist sehr kalt und schneit viel. |   |
| Samst.   | 18 Lukas Ev., Joh. v. K.      |                          | 0. 37               | 2. 32 6. 26 5. 4                           | Der Winter ist sehr kalt und schneit viel.  |
| 42. Pr. Philippus und der Kämmerer aus Mohrenland. Apostelgesch. 8, 26-40.<br>Kath. Vom hochzeitlichen Kleid. Matth. 22, 1-14. (Ephes. 4, 23-28.)  |                               |                          |                     |  |   |
| Sonnt.   | 19 C. 18. Allg. Kirchw.       |                          | 1. 47               | 2. 55 6. 28 5. 2                           | Dies Zeichen, das der Monden Lauf Herbstfürt markiert dazu auf: Bemühe dich in deinem Leben,  |
| Mont.  | 20 Wendelinus                 |                          | 2. 59               | 3. 17 6. 29 5. 0                           | Lebenstal gen. Beredt zu sein, schaffst du es nicht.  |
| Dienst.  | 21 Ursula                     |                          | 4. 14               | 3. 40 6. 31 4. 58                          | Bewahre dich vor Nachgier, Zorn und Gelt,   |
| Mittw.   | 22 Columb., Mar., Sal. C.     |                          | 5. 30               | 4. 6 6. 32 4. 56                           | Sie rauben dir der Freude hohen Reis.   |
| Donn.  | 23 Severin., Verus B.         |                          | 6. 48               | 4. 37 6. 34 4. 54                          | Wird in der Jugend schon dich Kreuz umnachten,  |
| Freitag  | 24 Sabomea, Raph., Ev.        |                          | 8. 8                | 5. 15 6. 35 4. 52                          | So wirst du glücklicher im Alter sein; Und wirst du   |
| Samst.   | 25 Crispinus, Chrysanth.      |                          | 9. 26               | 6. 3 6. 37 4. 51                           | dich der Kunst des Bergmanns wehren.  |
| 43. Pr. Pauli Bekehrung. Apostelgeschichte 9, 1-22.<br>Kath. Königs Sohn. Joh. 4, 46-53. (Eph. 5, 15-21.)  |                               |                          |                     |  | So ziehst du Gold — Glück auf! — aus diesen Schachten.  |
| Sonnt.   | 26 C. 19. Amandus, Evar.      |                          | 10. 37              | 7. 2 6. 39 4. 49                           | Tageslänge  |
| Mont.  | 27 Sabina, Capitolinus        |                          | 11. 37              | 8. 10 6. 40 4. 47                          | b. 5. 11 St. 24 M.  |
| Dienst.  | 28 Simon Inda C.              |                          | 12. M.              | 9. 23 6. 42 4. 45                          | 12. 10 * 59 *   |
| Mittw.   | 29 Narcissus, Eusebia         |                          | 0. 57               | 10. 40 6. 44 4. 44                         | 19. 10 * 34 *   |
| Donn.  | 30 Hartmann, Eutropius        |                          | 1. 27               | 11. 56 6. 45 4. 42                         | 26. 10 * 10 *   |
| Freitag  | 31 Wolfgang                   |                          | 1. 52               | 6. 47 4. 40                                |   |
| Ein Hausknecht in einem Einlehrwirthshause führte gegen einen Gast unhöfliche Reden. Der hinzutretende Wirt wies Jenen zurecht mit den Worten: „Schweig! die ein Lehren können beschließen, die an uns lehren müssen schweigen.“ |                               |                          |                     |  |   |

# October hat 31 Tage.

Warmer Oktober bringt fürwahr uns sehr kalten Februar — Frost und Schnee im Oktober sind Boten, der Januar sei gelind — Oktober-Wetter jagt beständig: der süßtige Winter sei wetterwendig. — Wenn zu uns Simon und Judas wandeln wollen sie mit dem Winter handeln. — Bei Donner im Winter ist viel Kälte dahinter. — Oktober-Donner ist fürwahr noch besser als Donner im Februar der Klingt nur wohl der Wud'er Schär. — Hält der erste Schnee in den Schmütz vor strengem Winter, hündet er Schuh. — Bleibt der Winter zu fern, nachwintert es gern. — Hat der Oktober viel Regen gebracht, hat er die Gottesbäder bedacht.



Bollmond den 7. bringt freundliche Tage.

Letzes Viertel den 16. macht frisch und heiter.

Neumond den 23. rauh und naß.

Erstes Viertel den 30. bringt Reisen bei heiterm Himmel.

## Jahrmärkte.

- |  |  |
|--|--|
| 1. Delbeshelm, zgl. 16. Osterburken.<br>Küblermarkt.   | 27. Billighelm, bei<br>Mosbach.  |
| 2. Nach.<br>Psalzgrasenweil.   | Waldshut. †<br>Wiersheim.  |
| 5. Aalen.<br>Gondelsheim.  | 18. Bittenedb.<br>Rottweil.  |
| 6. Grafenhausen. † 20. Altpfarrbach, † 30.<br>Haslach, i. Rth.<br>Hedingen.<br>Hochheim.<br>Mörtringen, † zu<br>gleich Schafm.<br>Schönau, b. Höb.<br>Städtlingen. †<br>Böhrnbach, † | Wörth.<br>Eppingen.<br>Korff, †<br>Königsbach.<br>Röhringen, † zu<br>gleich Schafm.<br>Schönau, i. Rth.<br>Vorderweidenth.<br>Pferdemarkt.   |
| 7. Heßbronn, † zgl.<br>Weisb., Weip.,<br>Einwands u.<br>Ledermarkt.<br>Kehl, Stadt, †<br>Reckartach.   | Gögingen.<br>Heidelberg, Mess.<br>Heimbach.<br>Hilzingen, †<br>Hoseim.<br>Krozingen.<br>Hüllendorf, †<br>Kochen.<br>Riedlingen.<br>Rust, b. Ettenh.<br>Säckingen, †<br>St. Wendel. |
| 9. Dettishelm, † zgl.<br>Rößmarkt.   | Walldorf.<br>Well, die Stadt, †<br>Zell, i. Wiesenth.  |
| 12. Kirchheimboland. 21. Virlsdorf, im<br>Bellheim.  | Schwarzw. †<br>Dettingen, b. Hei-<br>denheim, †<br>Kuppenheim.<br>Langendingen.<br>Schramberg, †<br>Thann.   |
| 14. Kühhelm.<br>Friedrichthal, †<br>St. Georgen, †<br>bei Willingen.<br>Memmingen,<br>4 Tage.  | Kippenheim.<br>Laichingen.<br>Langenstein, b. †<br>Rütingen.<br>Pforzheim.   |
| 15. Gappel-Roden, †<br>Burkheim, a. Rth.<br>Hermersbach, Th. 26.<br>Hüsingen, †<br>Langenlandel.   | Bräunlingen, †<br>Böddingen, † zgl. 22. Überlingen, †<br>zgl. Pferdem.<br>Blumberg.<br>Bräunlingen, †<br>Böddingen, † zgl. 23. Altach.<br>Böllberg.                                |
| 16. Bischofsb., a. Rth.<br>Burkheim, a. Rth.<br>Hermersbach, Th. 26.<br>Hüsingen, †<br>Langenlandel.   | Bräunlingen, †<br>Böllberg.<br>Böllberg, † zgl. 24. Suh, a. Reck.<br>zgl. Pferdem.   |

## Besondere Viehmärkte.

- |                       |   |                          |
|-----------------------|---|--------------------------|
| 1. Grünstadt.         | 7. Schaffhausen.                        | 16. Rothweil, a. Rth.    |
| Kaiserslautern.       | Stocach.                                | Zweibrücken.             |
| Duitnbach.            | 8. Billighelm, i. Rth.                  | Öttingen.                |
| Schopfheim.           | 9. Eßlingen.                            | Wüllheim.                |
| 2. Gammendingen.      | Freiburg, i. Brdg.                      | Schönau, b. Höb.         |
| Frankenthal.          | Hüdingen.                               | Thengen, bei W.          |
| Gernsbach.            | Dißstadt.                               | Wachenheim.              |
| Kehl, S., Schw.       | Schönau, i. Rth.                        | Haßloch.                 |
| Wielbrücken.          | 13. Bretten.                            | Gell, i. Wiesenth.       |
| 4. Lindau, Pferdem.   | Engen, zugleich 22. Billighelm, i. Rth. | Gatten, 23. Lörrach.     |
| 6. Haslach, i. Enzth. | 24. Suh, am Reck,                       | Geschäftsm.              |
|                       | Kirchheim, u. Z.                        | 25. Durbach.             |
|                       | 14. Ettelheim.                          | 26. Kusel, zugleich      |
|                       | Kusel.                                  | Geschäftsm.              |
|                       | 15. Bruchsal.                           | Schriesheim.             |
|                       | Ettelheim.                              | 29. Donaueschingen       |
| 7. Bietigheim.        | Grünstadt.                              | Weingarten.              |
| Kandel.               | Külsheim.                               | 30. Heidelberg, b. Brdg. |
| Lahr.                 | Mannheim.                               | Krautheim, a. R.         |
| Mannheim.             | Duitnbach.                              | Oberkirch.               |
| Memmingen.            | 16. Renzingen.                          |                          |

## Feld- und Gartenbau.

In diesem Monat ist schon für den Winter vorzusorgen. — Die Wurzelgewächse werden im Keller in trockenem Sand oder an trocknen Plätzen in Gruben eingeschlagen. Breche und heile Hanf und Flachs. — Das Spinnen nimmt seinen Anfang. — Auf den Wiesen beginnt jetzt die Hauptwässerung. — Trockne Wiesen legt man jetzt zum Wässern an. — In Feld und Garten ernte Zuckerrüben, Rüben, Kartoffeln, Meerrettig, Krapp, Kraut und Buchweizen. Bevacke die Hopfen, bevacke und häufle den Repps. Beende die Winterzaat. Stilze die Acker zur süßtigen Sommerzaat, führe Mist aus. Berejege zur Überwinterung Wirsching, Kohlraben, Blattkohl, Winterkohlfleisch. Nimm Endivien auf und bind sie an, daß er gelb wird, räume die Bohnen ab, grabe Sellerie aus. — Die Obstsorten, das Dörren und Mestzen dauert fort, in der Baumküche werden Ende des Monats die Kerne gesät; Steinobstsorten fürs Frühjahr aufbewahrt. Berejege Bäume und Sträucher, läßze sie aber nur schwach ein; reinige die Rinde an alten Bäumen und streiche sie mit Kalk, Lehm und Kuhmist an. Im Weinberg eile nicht zu sehr mit der Weinlese, denn schöne, trockne Oktoberstage helfen viel nach. Herbstreicht nicht, wenn die Trauben naß sind. In gutem Herbst lese die besten Trauben besonders aus. Laß die rothen Trauben auf den Trestern gären und lass sie erst zu Weihnachten.

| XI.     | Katholischer und Evangelischer  | Planetens-List.          | Mond-              | Sonnen- | Anmerkungen. |      |       |       |       |
|---------|---|--------------------------|--------------------|---------|--------------|------|-------|-------|-------|
| Monat.  | November, Wintermonat.  | Witter. n. d. 100j. Kal. | Aufg.              | Utg.    | Aufg.        | Utg. | U. M. | U. M. | U. M. |
| Samst.  | 1 Aller Heiligen  | Kath. F.   ☰ ☱           | ♀ in ☽             | schön   |              |      |       |       |       |
| 44.     | Pr. Paulus und Barnabas zu Lystra. Apostelg. 14, 8-18.<br>Kath. Könige Bekehrung. Matth. 18, 23-35. (Eph. 6, 10-17.)                    |                          |                    |         |              |      |       |       |       |
| Sonnt.  | 2 E. 20. Aller Seelen   | ☒                        | ♀ in ☽             |         |              |      |       |       |       |
| Mont.   | 3 Theophil, Pirmin  | ☒                        | ♂, ☽ h.            |         |              |      |       |       |       |
| Dienst. | 4 Digmund, Carol., Em.  | ☒                        | ♀ (u. ♀)           |         |              |      |       |       |       |
| Mittw.  | 5 Malachias, Zacharias  | ☒                        | ♂ dir., ☽ ♀        |         |              |      |       |       |       |
| Donn.   | 6 Leonhardus  | ☒                        | 1, 22. n. ♂ dir.   |         |              |      |       |       |       |
| Freitag | 7 Florentin, Engelbert, E.  | ☒                        | bewölkt            |         |              |      |       |       |       |
| Samst.  | 8 4 Gekrönte, Gottfried   | ☒                        | h Aufg. 2, 50. v.  |         |              |      |       |       |       |
| 45.     | Pr. Paulus zu Athen. Apostelg. 17, 22-34.<br>Kath. Vom Stadtgroschen. Matth. 22, 15-21. (Phil. 1, 6-11.)                                |                          |                    |         |              |      |       |       |       |
| Sonnt.  | 9 E. 21. Theodor  | ☒                        | ♂, Ci. ♀, ☽ ♂      |         |              |      |       |       |       |
| Mont.   | 10 Justus, Tryph., Resp.  | ☒                        | ♀ in Erdf. schnee  |         |              |      |       |       |       |
| Dienst. | 11 Martin Bischof   | ☒                        | ♀ burgs. Zahlr.    |         |              |      |       |       |       |
| Mittw.  | 12 Martin Papst, Jonas  | ☒                        | in grösst. Stern-  |         |              |      |       |       |       |
| Donn.   | 13 Weibert, Stanislaus  | ☒                        | Ausw. Schnupp.     |         |              |      |       |       |       |
| Freitag | 14 Friedrich, Iucund., L.   | ☒                        | 6,45. n. trüb      |         |              |      |       |       |       |
| Samst.  | 15 Leopold  | ☒                        | ♂ [d. 11.: ♀ i. ☽] |         |              |      |       |       |       |
| 46.     | Pr. Psalm 145.<br>Kath. Obersten Tochter. Matth. 9, 18-26. (Phil. 3, 17-21. und 4, 1-3.)  |                          |                    |         |              |      |       |       |       |
| Sonnt.  | 16 E. 22. Erntedestfest Othm.   | ☒                        | ♀ Aufg. 5, 22. v.  |         |              |      |       |       |       |
| Mont.   | 17 Florian  | ☒                        | regnerisch         |         |              |      |       |       |       |
| Dienst. | 18 P. Kirchw., Eng. Otto  | ☒                        | ♂, ☽ h.            |         |              |      |       |       |       |
| Mittw.  | 19 Elisabeth Kön. v. Ung.   | ☒                        | ♂ ♀. regen         |         |              |      |       |       |       |
| Donn.   | 20 Amos, Eduard, Felix  | ☒                        | ♂ ♀ [8ft.]         |         |              |      |       |       |       |
| Freitag | 21 Mariä Opferung   | ☒                        | 6,48. n. un.       |         |              |      |       |       |       |
| Samst.  | 22 Cäcilia  | ☒                        | ♂, Ci. Erdn., im ☽ |         |              |      |       |       |       |
| 47.     | Pr. Text vor der obersten Kirchenbehörde noch besonders zu bestimmen.<br>Kath. Gräuel der Verwüstung. Matth. 24, 15-35. (Col. 1, 9-14.) |                          |                    |         |              |      |       |       |       |
| Sonnt.  | 23 E. 23. Fuß- n. Bett. Cl.   | ☒                        | Abw. 20° 22' j.    |         |              |      |       |       |       |
| Mont.   | 24 Chrysogonus, Joh. v. +   | ☒                        | ♀ Aufg. 5, 0. n.   |         |              |      |       |       |       |
| Dienst. | 25 Katharina  | ☒                        | h * ☽ 4△           |         |              |      |       |       |       |
| Mittw.  | 26 Konradus   | ☒                        | ♀ in ☽             |         |              |      |       |       |       |
| Donn.   | 27 Jeremias, Val., Jos.   | ☒                        | [d. 22.: ♀ in ☽]   |         |              |      |       |       |       |
| Freitag | 28 Sokrates, R. Günth.  | ☒                        | 10, 36. v.,        |         |              |      |       |       |       |
| Samst.  | 29 Saturninus, Noa  | ☒                        | ♂ Utg. 2, 28. v.   |         |              |      |       |       |       |
| 48.     | Pr. Christi Einzug in Jerusalem. Matth. 21, 1-9.<br>Kath. Es werden Zeichen geschehen. Luk. 21, 25-33. (Röm. 13, 11-14.)                |                          |                    |         |              |      |       |       |       |
| Sonnt.  | 30 1. Adv. neu Kirchj. A.   ☽   | ☒                        | ♂ h falt.          |         |              |      |       |       |       |

# November hat 30 Tage.

Aller-Heiligen bringt Sommer für alte Weiber, der ist des Sommers letzter Vertreiber. — Aller-Heiligen trägt eignen den Winter zu allen Zweisen. — Sanct Martin legt sich schon mit Mantl am warmen Ofen auf die Bank. — Sanct Martin weiß nichts mehr von heiß. — Schafft Katharina vor Frost und Schuß so wated man lange draußen vor Schmuth. — Kalter Dezember und frustreich Jahr, sind vereinigt immerdat. — Kalter Dezember mit Schne giebt reichlich Korn aus der Höhe. — Frau Lucia findet zu kurz den Tag, d'rum wird er verlängert owt Tage barnach — Der heilige Christ will 'ne Eisbrücke haben, fehlt sie, wird selbst er damit sich begeden.



Vollmond den 6. verursacht Schneefall.

Letztes Viertel den 14 trüb un'd regnerisch.

Neumond den 21. bewirkt eine unsichtbare Sonnenfinsternis u. düsteres Wetter.

Erstes Viertel den 28. erregt Wind und Kälte.

## Jahrmärkte.

|                                  |                       |                      |                    |                        |
|----------------------------------|-----------------------|----------------------|--------------------|------------------------|
| 1. Heilbronn, Mef. 10. Singen. † | 20. Blochingen.       | 3. Haslach.          | 6. Kehl, Stadt,    | 18. Hasloch.           |
| Kirschberg. [St.                 | Sinsheim.             | Heitersheim.         | Schweinem.         | Rosenberg, i. Bl.      |
| 2. Dirmstein.                    | Stühlingen. †         | Hein. †              | Schwörden.         | Schönenbrunn.          |
| Münchweiler.                     | Thann.                | Inneningen.          | Pforzheim.         | Bell, i. Wiesenth.     |
| Rhodt.                           | Trottelstingen.       | Stockach.            | Böderweidenh.      | Gandern. [b. T.        |
| 3. Oppenweier.                   | 11. Aalen.            | 24. Möhringen, † zw. | 4. Bernsbach.      | 11. Bischofshofen a.   |
| Bernecit. Schw. †                | Bischofshofen, a.     | gleich Schafn.       | Kandel.            | 12. Bühl.              |
| (Augs. Glashm.)                  | der Lauber.           | 25. Altenstaig.      | Mannheim.          | 13. Bühlheim.          |
| Carlsruhe, Messe,                | Bradenheim.           | Aillrich.            | Memmingen.         | 12. Billigheim, i. Bl. |
| 6 Tage.                          | Buchen.               | Bennighem.           | Wosbach.           | 13. Eßingen.           |
| Elmendingen.                     | Donauesching. †       | Bergzabern.          | Schaffhausen.      | Freiburg, i. Brsg.     |
| Göschheim.                       | Gütingen.             | Gütersheim,          | Stockach.          | Schweibrücken.         |
| Kirchheim u. L. †                | Meersburg.            | Hans- u. Klein-      | Grünsiedl.         | Ötzingen.              |
| Mägdesheim, bei                  | Oberndorf, a. R. †    | wendmark.            | Grünsiedl.         | 24. Durlach.           |
| Bretten.                         | Schaffhausen. †       | Gochheim.            | Gründel.           | Schöchheim.            |
| Oberheim.                        | Schweigingen.         | Ötzingen. †          | Grünsal.           | Aichern.               |
| Worms, 3 Tage.                   | (Gehringheim.)        | Landern.             | Schöpfheim.        | Rastatt.               |
| 4. Dornstetten, bei              | Staufen, Sidi. †      | Kehl, Stadt.         | Ettlingen.         | Mülheim.               |
| Friedensstadt. †                 | 12. Überach, i. Kzth. | Klein-Kauffen-       | Frankenthal.       | Wagenheim.             |
| Emmendingen. †                   | Cappel-Roden. †       | burg. †              | Griesen, i. Blgg.  | 26. Villigheim, i. Bl. |
| Gessingen. †                     | Ettenheim. †          | Klosterwald. †       | Griffen.           | Well, die Stadt.       |
| Hausach, Lanzh. †                | Waltingen, a. b.      | Mässberg.            | Grüningen, i. Blg. | 27. Steinb., b. Bühl.  |
| Leute. †                         | Enz, † zgl. Ross-     | Nedargemünd.         | Horbach.           |                        |
| Reutkirchen.                     | u. Hsm.               | Rottweil.            | Kelbach.           |                        |
| St. Leon, b. Bls.                | Colmar.               | Sasbach, b. Ach.     | Kirberg.           |                        |
| Ipswburg.                        | Dordingen, bei        | Seelbach.            | Wertheim.          |                        |
| Pirmasens.                       | Rauhbr. †             | Urbach.              | Wettstein.         |                        |
| Göweien.                         | Erlingen.             | 26. Bräunlingen. †   | Württemberg.       |                        |
| Gietingen. a. l. R. †            | Hayingen.             | Erlangen, i. Blg. †  | Württemberg.       |                        |
| Willingen. †                     | Hörderberg. †         | Wosbach (We-         |                    |                        |
| Weinheim.                        | Lehr.                 | spinnheim.)          |                    |                        |
| 5. Bretten.                      | 16. Wachenheim.       | Steinbach.           |                    |                        |
| Gengenbach. †                    | 17. u. 18. Aler.      | Wimpfen, a. Brsg.    |                    |                        |
| Kadolzhell.                      | Engen. †              | 27. Everbach, a. R.  |                    |                        |
| Rheinfelden.                     | Haslach, Lanzh. †     | Gigelingen.          |                    |                        |
| 6. Bonndorf. †                   | Marbors, a. Rbd.      | Hachmersh., a. R.    |                    |                        |
| Dürrenz. †                       | Vöhrenbach. †         | Mährburg.            |                    |                        |
| Etzingen. †                      | Waibstadt.            | Waldbrich.           |                    |                        |
| Wobach.                          |                       | Waldkirch.           |                    |                        |
| Mühlheim.                        |                       | Annweiler.           |                    |                        |
| Neusiedl.                        | Bruchsal.             | Beilstein. †         |                    |                        |
| Stein, b. Bret. †                | Endingen. †           | Giecholsheim.        |                    |                        |
| Lindau.                          | Gondelsheim.          | Heitersheim.         |                    |                        |
| 8. Bühl.                         | Kaiserslautern.       | Heppenheim.          |                    |                        |
| Freiburg i. Brsg.                | Schönau, b. Hdb.      | Katzenbach.          |                    |                        |
| Messe, 6 Tage. 19.               | Auen, an d. Ted.      | Oberrüdingen.        |                    |                        |
|                                  | Birkensfeld.          | Pfeffelbach.         |                    |                        |

## Besondere Viehmärkte.

|                 |                     |                  |                  |                    |
|-----------------|---------------------|------------------|------------------|--------------------|
| 20. Blochingen. | 21. Inneningen.     | 22. Altenstaig.  | 23. Kehl, Stadt, | 24. Hasloch.       |
| Newenburg, am   | Hein. †             | Aillrich.        | Schweinem.       | Rosenberg, i. Bl.  |
| Stühlingen. †   | Inneningen.         | Bennighem.       | Schwörden.       | Schönenbrunn.      |
| Thann.          | Stockach.           | Bergzabern.      | Pforzheim.       | Bell, i. Wiesenth. |
| Trottelstingen. | Gütersheim,         | Gütersheim,      | Böderweidenh.    | Gandern. [b. T.    |
|                 | Hans- u. Klein-     | Hans- u. Klein-  | Landern.         |                    |
|                 | wendmark.           | wendmark.        |                  |                    |
|                 | Gochheim.           | Gochheim.        |                  |                    |
|                 | Ötzingen. †         | Ötzingen. †      |                  |                    |
|                 | Landern.            | Landern.         |                  |                    |
|                 | Kehl, Stadt.        | Klein-Kauffen-   |                  |                    |
|                 | bürg. †             | burg. †          |                  |                    |
|                 | Klosterwald. †      | Klosterwald. †   |                  |                    |
|                 | Mässberg.           | Mässberg.        |                  |                    |
|                 | Nedargemünd.        | Nedargemünd.     |                  |                    |
|                 | Rottweil.           | Rottweil.        |                  |                    |
|                 | Sasbach, b. Ach.    | Sasbach, b. Ach. |                  |                    |
|                 | Seelbach.           | Urbach.          |                  |                    |
|                 | Urbach.             | Wettstein.       |                  |                    |
|                 | 26. Bräunlingen. †  | Württemberg.     |                  |                    |
|                 | Erlangen, i. Blg. † | Württemberg.     |                  |                    |
|                 | Wosbach (We-        | Wosbach.         |                  |                    |
|                 | spinnheim.)         |                  |                  |                    |
|                 | Steinbach.          |                  |                  |                    |
|                 | Wimpfen, a. Brsg.   |                  |                  |                    |
|                 | 27. Everbach, a. R. |                  |                  |                    |
|                 | Gigelingen.         |                  |                  |                    |
|                 | Hachmersh., a. R.   |                  |                  |                    |
|                 | Mährburg.           |                  |                  |                    |
|                 | Waldbrich.          |                  |                  |                    |
|                 | Annweiler.          |                  |                  |                    |
|                 | Beilstein. †        |                  |                  |                    |
|                 | Giecholsheim.       |                  |                  |                    |
|                 | Heitersheim.        |                  |                  |                    |
|                 | Heppenheim.         |                  |                  |                    |
|                 | Katzenbach.         |                  |                  |                    |

## Feld- und Gartenbau.

Zeit ist zu dreschen, Hauf zu reiben, zu hecheln und zu spinnen, Erde zu führen zum Überstreuen des Dungs; Obst, Kartoffeln, Rüben, Möhren sind durchzulesen, Tabak zu hängen, wenn er trocken ist, d. h. in der Hand zusammengeballt sich wieder ausdehnt. — Auf den Wiesen seye das Wässern fort, wie im Oktober gesagt ist breite den Grabenaußhub, bringe bei trockenem Wetter Compost, Asche, Kuh, Bauchfutter und Sand auf die Matten. — Im Feld und Garten seye das Stützen und Umpaten fort, führe Mist auf die Brachfelder, breite langen Mist über den Klee. Tritt salt Weiter ein, so decke das Kraut und die Rübenlächer mit Stroh. Sellerie oder Spargelbeete überdecke mit Mist, Erde oder Baumlaub. Erntde die späten Rüben. — Bessere die Gartenjäune gegen Wild mit Dornen us, grabe Baumlöcher zum Verlegen im nächsten Frühjahr, schütze die Baumstämme gegen Hasenfraß mit Pfriemen und Dornen. — Im Weinberg nimm die Pfähle ans, stelle sie in Häusen zusammen. Dünge die Reben und häusse die Erde um die Rebstocke. — Im Biene nstand schütze die Körbe mit Stroh gegen Kälte, alle paar Wochen hebe den Stock auf und reinige das untergelegte Brettchen sorgfältig.

Liegst dir Gestern klar und offen,  
Wirst du heute kräftig fühl,  
Kannst auch auf ein Morgen hoffen,  
Das nicht minder glücklich sei.



| XII.    | Katholischer und Evangelischer<br>Monat.   | Dezember od. Christmonat. | Planetens-Stern.         | Mond-                   | Sonnen-        | Anmerkungen.   |               |                |               |  |
|---------|--|---------------------------|--------------------------|-------------------------|----------------|----------------|---------------|----------------|---------------|--|
|         |  |                           | Witter. n. d. 100j. Kal. | Aufg.<br>u. M.          | Verg.<br>u. M. | Aufg.<br>u. M. | Utg.<br>u. M. | Aufg.<br>u. M. | Utg.<br>u. M. |  |
| Mont.   | 1  | Eligius, Longinus, M.     |                          | C ♂, C ♀                |                |                |               |                |               |  |
| Dienst. | 2  | Candidus, Bibiana         |                          | G Aufg. 6, 30. v.       |                |                |               |                |               |  |
| Mittw.  | 3  | Iuc., Franz, Faver, Cas.  |                          | G in ♀                  |                |                |               |                |               |  |
| Donn.   | 4  | Barbara                   |                          | ♂ △                     | falt           |                |               |                |               |  |
| Freitag | 5  | Cordula, Sabb., Abig      |                          | G Finst.                |                |                |               |                |               |  |
| Samst.  | 6  | Nicolans                  |                          | G 8, 12. v., sichtb.    |                |                |               |                |               |  |
| 49.     | Pr. Johannis Predigt. Luk. 3, 1-18.<br>Kath. Johannes im Gefängniß. Matth. 11, 2-10. (Röm. 15, 4-13.)                      |                           |                          |                         |                |                |               |                |               |  |
| Sonnt.  | 7  | E. 2. Adv. Agathon        |                          | C in Erdferne.          |                |                |               |                |               |  |
| Mont.   | 8  | Mar. Empfängn. S. S.      |                          | G Aufg. 2, 45. v.       |                |                |               |                |               |  |
| Dienst. | 9  | Wilibald, Leocad., J.     |                          | (u. ♀)                  |                |                |               |                |               |  |
| Mittw.  | 10   | Walther, Eulalia, J.      |                          | ♀ ♂ ⚡ ⚡                 |                |                |               |                |               |  |
| Donn.   | 11   | Pamastins, P. Daniel      |                          | wird Abstern.           |                |                |               |                |               |  |
| Freitag | 12   | Paul, Hermogen, Ep.       |                          | ♂ ⚡ ⚡ ⚡                 |                |                |               |                |               |  |
| Samst.  | 13   | Iucia, Ottilia            |                          | ♀ *                     | 4              |                |               |                |               |  |
| 50.     | Pr. Johannis Bezeugn. Joh. 1, 15-30.<br>Kath. Johannes Bezeugn von Christo. Joh. 1, 19-28. (Phil. 4, 4-7.)                 |                           |                          |                         |                |                |               |                |               |  |
| Sonnt.  | 14   | E. 3. Adv. Iicastins      |                          | G 11, 6. v. 4 *         |                |                |               |                |               |  |
| Mont.   | 15   | Abraham, Ignat., Chr.     |                          | G ⚡ ⚡                   |                |                |               |                |               |  |
| Dienst. | 16   | Adelheid, Euseb., Alb.    |                          | C ♂, C ♀                |                |                |               |                |               |  |
| Mittw.  | 17   | Quat., Lazarus            |                          | ♀ * ♀                   | falt           |                |               |                |               |  |
| Donn.   | 18   | Wilibald, M. G.           |                          | den. 2 u. v. 3 i.       |                |                |               |                |               |  |
| Freitag | 19   | Wemelins, Fausta          |                          | 22. trist. Eg. Wint. A. |                |                |               |                |               |  |
| Samst.  | 20   | Achilles, Christian       |                          | U, Ct ⚡, C ⚡            |                |                |               |                |               |  |
| 51.     | Pr. Johannes im Gefängniß. Matth. 11, 2-10.<br>Kath. Stimme in der Wüste. Luk. 3, 1-4. (1 Kor. 4, 1-5.)                    |                           |                          |                         |                |                |               |                |               |  |
| Sonnt.  | 21   | 4. Adv. Thomas A.         |                          | 5, 38. v. i. Erdn.      |                |                |               |                |               |  |
| Mont.   | 22   | Thrid., Bertha, Beata     |                          | G 21. um. ⚡             |                |                |               |                |               |  |
| Dienst. | 23   | Pagobert, Victoria        |                          | ♀ □ h                   | sturm          |                |               |                |               |  |
| Mittw.  | 24   | Adam, Eva                 |                          | G Abw. 23° 26' j.       |                |                |               |                |               |  |
| Donn.   | 25   | Christfest                |                          | 8 □ h                   |                |                |               |                |               |  |
| Freitag | 26   | 2. Christ. Stephanus      |                          | h Aufg. 11, 57. n.      |                |                |               |                |               |  |
| Samst.  | 27   | Johannes Evang.           |                          | h □ o, C ⚡ h            |                |                |               |                |               |  |
| 52.     | Pr. Simeons Gebet und Weissagung. Luk. 2, 25-35.<br>Kath. Joseph und Maria verwundeten sich. Luk. 2, 33-40. (Gal. 4, 1-7.) |                           |                          |                         |                |                |               |                |               |  |
| Sonnt.  | 28   | E. Kindleitntag           |                          | 0, 19. v.               |                |                |               |                |               |  |
| Mont.   | 29   | Thomas Bischof, Jon.      |                          | C ♂, C ♀                |                |                |               |                |               |  |
| Dienst. | 30   | David                     |                          | ♂ ⚡ ♀                   | (♂)            |                |               |                |               |  |
| Mittw.  | 31   | Schlussdag. Sylvester     |                          | G Unfr. 6, 25. v.       |                |                |               |                |               |  |

An einem Hause ward geklopft. Der Hausherr sah zum Fenster hinaus und rief: „Istemand da?“ Bescheden erwiderte der Untenstehende: „O nein, ich bin's nur.“

# December hat 31 Tage.

Je bunter es über Dezember-Schnee,  
je mehr leuchtet Segen im künftigen  
Jahr.

## Düngerreime.

Wer spärlich seinen Acker düngt, der  
weiß schon was die Erde bringt. —  
Hans düngte seine Felder schlecht war.  
Adermann, jetzt ist er Krebs. — Wer  
ante Erdtennen mögen will, der düngt,  
völlig und grabe viel. — Joss löscht die  
Zauber in den Bach ein Dummloß nur  
thut es ihm nach. — Dünger ist die Seele  
vom Ackerbau, sie gehören zusammen wie  
Mann und Frau. — Gutes Vieh, gute  
Streu, reichlich Futter gibt fetten Mist,  
reiche Enden, viel Milch, Käse und  
Butter.



Bollmond den 6. erleidet  
eine sichtbare Verfließung und bewirkt trüben  
Himmel.

Letztes Viertel den 14.  
erzeugt Kälte mit Wind.

Neumond den 21. ver-  
ursacht eine unsichtbar-  
Sonnenfinsternis und un-  
gestümtes Wetter.

Erstes Viertel den 28.  
kann Kälte bringen.

## Jahrmarktste.

|  |                        |                                      |
|--|------------------------|--------------------------------------|
| 1. Nach.   | 6. Brünstadt.          | 16. Bassengehausen.                  |
| Diez.  | Hölzerloch.            | 17. Golmar.                          |
| Krauthelm, a. Bg.                                | Hettenthal +           | 18. Alttirg.                         |
| Reudnau.   | Mährhausen.            | Hötzingen.                           |
| Mußloch, zugl.                                   | 7. Frankenthal.        | Sulz, am Ried. †                     |
| Hausmarkt.                                       | Königsbach.            | Wölfach,                             |
| Riechen.   | 8. Pfullendorf. †      | 19. Basel, Messe.                    |
| Säckingen. †                                     | Thann.                 | 20. Weilburg.                        |
| Schiltach.                                       | St. Wendel.            | 21. Dienstadt. †                     |
| Schliengen.                                      | 9. Emmendingen. †      | Gebhardsh.                           |
| Thiengen, bei                                    | Hausach, i. Kglb.      | Kochendörf.                          |
| Habschut. †                                      | Pfist.                 | Langenau.                            |
| 2. Bietigheim, † zu-<br>gleich Ros- und          | — 10. Bötzheim.        | Bauffen, Stadt.                      |
| Glaßheim.  | Schopfheim.            | Ausi.                                |
| Gawl.  | Schramberg. †          | Gargemünd.                           |
| Graben.  | Solothurn.             | 22. Bischofshofen, an<br>der Tauber. |
| Heilbronn, zugl. 10. Durach.                     | Weinheim.              | 23. Bödheim.                         |
| Vieh-, Pferd-,<br>Ges., Lehm.,<br>u. Ledermarkt. | Kufel. †               | Grenzbach.                           |
| Hüfingen. †                                      | Überlingen. †          | Groß-Bauffen-<br>burg. †             |
| Badenburg, zugl.                                 | 11. Dettingen, u. d. † | Homburg v. d. O.                     |
| Gepfennigm.                                      | Lichtenau, i. d. M. †  | 12. Nach.                            |
| Mitterdingen.                                    | Mannheim.              | Babingen.                            |
| Zweibrücken.                                     | Mößkirch.              | Billingen. †                         |
| 4. Empfingen. †                                  | 15. Konstanz.          | 26. Straßburg, Mef-                  |
| Furtwangen. †                                    | Hedingen.              | se, 14. Tage.                        |
| Kenzingen. †                                     | Well, d. Stadt. †      | 27. Leipzig, Neu-J. W.               |
| Oberkirch.                                       | Osterburken.           | Erlberg.                             |
| Wiesloch.  | 16. Ettlingen.         | 29. Gräfelfing, i. Kl. †             |
| 5. Meersburg.                                    | Güglingen.             | Hornberg. †                          |
| 6. Fehringen.                                    | Lahr.                  | Öffingen. †                          |
|  | Neustadt a. d. O.      | 30. Waldshut. †                      |

## Besondere Viehmärkte.

|                     |                        |                                  |
|---------------------|------------------------|----------------------------------|
| 1. Haslach i. Kglb. | 4. Kehl, Stadt.        | 15. Ettlingen.                   |
| Mährlich.           | Schweinheim.           | Mühlheim.                        |
| Forchheim.          | Zweibrücken.           | Neustadt, a. d. O.               |
| Verdenwaldenthal    | 9. Bretten.            | Wachenheim.                      |
| 2. Käbel.           | Kandern.               | 16. Haslach.                     |
| Memmingen.          | Langenbrücken,         | Kittlingen.                      |
| Mannheim.           | zugl. Schw.            | 17. Bruchsal.                    |
| Schaffhausen.       | Külheim.               | Grünstadt.                       |
| Stodach.            | 10. Villigheim, i. Pf. | Ulmensens.                       |
| 3. Eppingen.        | 11. Essingen.          | Öttenbach.                       |
| Grünstadt.          | Freiburg, i. Bdg.      | 18. Lörrach.                     |
| Schopfheim.         | Hilzingen.             | Schelklingen.                    |
| 4. Emmendingen.     | Blasbach.              | 22. Durach.                      |
| Frankenthal.        | Schönen, i. Wst.       | 24. Billigheim, in<br>Gernsbach. |
|                     | 12. Lichtenau.         | 27. Engen, [Pfalg]               |

## Feld- und Gartenbau.

Schon im November hat jeder rechte Bauer einen Über-  
schlag gemacht, wie er sein Heu, seine Rüben und Kartof-  
feln eintheilen muss, um bis zum nächsten Grünfutter aus-  
zureichen und nicht eine Zeit lang zu stark und gegen Ende  
zu knapp zu füttern. Man macht nochmals seinen Über-  
schlag, um nicht zu irren. — Ein rechter Bauer schreibt  
aber auch immer in seinen Kalender oder sonst wo auf, wann  
er gefügt, gerüttelt, wie viel er ausgegeben, eingenommen,  
gewonnen oder verloren hat; jetzt rechnet er fleißig nach,  
um bei den guten Vorsätzen auf Neujahr sich auch vorneh-  
men zu können, einen dummen Streich oder einen ungünsti-  
gen Anbau nicht noch einmal zu machen. — Jetzt erkennt  
man den rechten Haushälter, der Alle gut zu beschäftigen  
weiß mit Hescheln, Spinnen, Samen reinigen, Dreschen,  
Obstanäseln, Strohdecken flechten, Strohheile fertigen,  
Erde führen auf den Dunghaufen, schlechte Stellen im Feld  
aufräumen, mit Erde überführen, Holz führen auf der Schne-  
ebahit. — Sieh dem Drescher und dem Kuhknecht nach, denn  
wer die Augen nicht aufmacht muss zahlen! Küste in Stall  
und Keller, halte aber immer warm dabei.

Ergänzungen, die während des Drudes noch einließen.  
Bräunlingen. 5. Mai Vieh- und Schweinemarkt.

Bretten. 10. Sept. Viehmarkt, da auf 9. Großherzogs Ge-  
burtstag fällt.

Bruchsal. 18. März Viehmarkt, — 1. April nicht.

Götzwill. 23. Apr., 18. Juni, 1. Sept., 11. Nov. Jahrmarkte.

Höfingen. Vieh- und Schweinem.: 3. Jan., 7. Februar,

7. März, 4. April, 2. Mai, 6. Juni, 4. Juli, 1. Aug.,  
5. Sept., 3. Okt., 7. Nov., 5. Dez. Am 1. Donnerstag nicht.

Kenzingen. 1. Okt. Viehmarkt. — 16. Okt. wegen hohen  
jüdischen Feiertags nicht.

Kusel. 31. März Krämer- und Viehm. 23. Apr. Viehm. —  
1. und 22. April wegen hohen jüd. Feiertages nicht.

Öffingen: Viehmarkte: 3. März, 4. August.

Quienbach. 3. Juni Viehmarkt. — 4. Juni wegen hohen  
jüd. Feiertags nicht. 15. April Viehm. 16. April wegen  
hohen jüd. Feiertags nicht. 14. Okt. Viehm. 15. Okt  
wegen hohen jüd. Feiertags nicht. 16. Dez.

Neuhäusen. 12. Juni Viehm. — 19. Juni wegen Frohl.  
nicht.

Oberkirch. 5. Juni Viehm. — 29. Mai — Chr. H. nicht.

Duppenau. 22. April.

Pfullendorf. 9. Dez. Viehm. 8. Dez. wegen Mar. Empf.  
nicht.

Stühlingen. 9. Sept. Viehm. — 8. Sept. wegen Mar.  
Geburt nicht.

Zell i. W. 17. Juni Viehmarkt.

Gießen. 11. März, 8. April, 6. Mai, 27. Mai, 24. Juni,  
22. Juli, 12. Aug., 2. Sept., 30. Sept., 21. Okt., 11. Nov.

Stuttgart. 19. Mai Messe. 15. Dez. Messe.

Ulm. 9. Juni Messe. 1. Dez. Messe.

Gannstatt. 26. Sept. Volksfest.

Erbach. 20. 21. 27. Juli Volksfest.

# Zeitrechnung auf das gemeine Jahr 1862.

Die gewöhnliche Zeitrechnung  
nach dem gregorianischen Kalender.  
Die goldene Zahl 1. Die Epakte XXX. Sonnen-  
zirkel 23. Römer Zinszahl 5. Der Sonntagsbuch-  
stabe E. Septuagesima 16. Febr. Aschermittwoch.  
5. März. Ostersonntag 20. April. Himmelfahrt  
Christi 29. Mai. Pfingstsonntag 8. Juni. Trinitat-  
sonntag 15. Juni. Fronleichnamstag 19. Juni.  
Erster Abends-Sonntag 30. November. Zahl der  
Sonntage nach Trinitatis 23. Die 4 Quatember:  
12. März, 11. Juni, 17. September, 17. Dezember.  
Von Weihnachten 1861 bis Hrn. Fastnacht 1862  
sind es 9 Wochen 4 Tage.

| Ordentliche Zeitrechnung auf 1862.  |            |
|---|------------|
| Nach der Erschaffung der Welt   | Jahre 5811 |
| Nach Errichtung der Stadt Rom   | — 2615     |
| Nach Erfindung des Schießpulvers  | — 482      |
| Nach Erfindung der Buchdruckerkunst                                       | — 422      |
| Nach Entdeckung Amerikas  | — 371      |
| Nach der Reformation Dr. Mart. Luthers                                    | — 345      |
| Nach dem westphälischen Frieden   | — 214      |
| N. Erbauung d. Residenzstadt Karlsruhe                                    | — 147      |
| Nach Annahme d. großz. Würde u. Souveränität v. Seiten des Landesregenten | — 56       |
| Nach Antritt der Regierung des Großherzogs Friedrich von Baden.           | — 10       |

## Bedeutung der Zeichen dieses Kalenders.

|                            |           |           |           |                 |           |                    |
|----------------------------|-----------|-----------|-----------|-----------------|-----------|--------------------|
| Der Neumond                | ●         | Stier     | ●         | Wassermann      | ●         | Die Himmelskörper. |
| Das erste Viertel          | ○         | Zwillinge | ○         | Fische          | ○         | Sonne              |
| Der Vollmond               | ◎         | Krebs     | ◎         | Die Aspekte:    | ◎         | Venus              |
| Das letzte Viertel         | ○         | Löwe      | ○         | Zusammenkunft   | ○         | Merkurius          |
| Stund Vormittag            | V.        | Jungfrau  | V.        | Gegensein       | V.        | Mond               |
| Stund Nachmittag           | N.        | Wage      | N.        | Drittterschein  | N.        | Saturnus           |
| Die 12 Himmels-<br>zeichen | Scorpion  | Scorpion  | Scorpion  | Vierterschein   | Scorpion  | Jupiter            |
| Widder                     | Steinbock | Steinbock | Steinbock | Sechstterschein | Steinbock | Mars               |
|                            |           |           |           | Auf- u. Abstg.  | Steinbock | Uranus             |

## Kalender der Juden.

Das 5622te Jahr der Welt und der Anfang des 5623ten.

| 1861. Neumonde und Feste. |   |
|---------------------------|---|
| Dezbr. 4                  | Der 1. Tebeth des Jahres 5622.              |
| — 13                      | — 10. " Fasten, Belagerung Je-<br>rusalems. |
| 1862.                     |   |
| Jan. 2                    | — 1. Schebath.                              |
| Febr. 1                   | — 1. Adar.                                  |
| — 14                      | — 14. — Klein Purim.                        |
| März 3                    | — 1. W'adar.                                |
| — 13                      | — 11. — Fasten Esther.                      |
| — 16                      | — 14. — Purim od. Hamansfest.               |
| — 17                      | — 13. — Schuschan Purim.                    |
| April 1                   | — 1. Nisan.                                 |
| — 15                      | — 15. — Passah od. Osterfest Anf.*          |
| — 16                      | — 16. — zweites Fest.*                      |
| — 21                      | — 21. — siebentes Fest.*                    |
| — 22                      | — 22. — Osterfest Ende.*                    |
| Mai 1                     | — 1. Sjar.                                  |
| — 18                      | — 18. — Lag B'omer od. Schüler-<br>fest.    |
| — 30                      | — 1. Sivan.                                 |
| Juni 4                    | — 6. — Wochen- od. Pfingstf.*               |
| — 5                       | — 7. — zweites Fest.*                       |
| — 29                      | — 1. Thamuz.                                |
| Juli 15                   | — 17. — Fasten, Tempeleroberung             |
| — 28                      | — 1. Ab.                                    |

| 1862. Neumonde und Feste. |   |
|---------------------------|---|
| August 5                  | Der 9. Ab. Fasten, Tempelverbren-<br>nung.*   |
| — 27                      | — 1. Elul.                                    |
| Das 5623te Jahr.          |   |
| Sept. 25                  | — 1. Tischa. Neujahrsfest.*                   |
| — 26                      | — 2. — zweites Fest.*                         |
| — 28                      | — 4. — Fasten Gedaljah.                       |
| Oktbr. 4                  | — 10. — Versöhnungsfest oder<br>lange Nacht.* |
| — 9                       | — 15. — Laubhüttenfest.*                      |
| — 10                      | — 16. — zweites Fest.*                        |
| — 15                      | — 21. — Palmfest.                             |
| — 16                      | — 22. — Versammlung oder<br>Laubhütten Ende.* |
| — 17                      | — 23. — Gesetzesfreude.                       |
| — 25                      | — 1. Marscheschwan.                           |
| Novbr. 23                 | — 1. Kislev.                                  |
| Dezbr. 17                 | — 25. — Tempelweihe.                          |
| — 23                      | — 1. Thebet.                                  |
| 1863.                     |   |
| Jan. 1                    | — 10. — Fasten, Belagerung Je-<br>rusalems.   |

Die mit \* bezeichneten Feste werden streng gefeiert.

